मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 62
बुधवार, 10 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन बनेंगे देश के नए उपराष्ट्रपति, विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को हराया

नई दिल्ली, 09 सितम्बर। देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योकिं पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था। राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। उन्हें भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले। मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए, 752 वैध और 15 अवैध थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति

के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है।

नेपाल में हिंसा के बीच ममता का सीमावर्ती जिलों को निर्देश: शांति रखें, दखल न दें

कोलकता, 09 सितम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को नेपाल सीमा से सटे ज़िलों से शांति बनाए रखने और पड़ोसी देश में जेनरेशन` के विरोध प्रदर्शनों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने सीमावर्ती ज़िलों से आग्रह करते हुए कहा कि यह उनका मामला नहीं है और इस पर निर्णय लेने का अधिकार केवल नेपाल को है। उन्होंने कहा कि (नेपाल के साथ) सीमा से सटे हमारे ज़िलों से मेरा अनुरोध है कि कृपया शांति बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि किसी को कोई परेशानी न हो, क्योंकि यह हमारा मामला नहीं है। नेपाल को अपने आंतरिक मामले पर निर्णय लेने

दें, हालाँकि हम उनसे प्यार करते हैं। हमें इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि नेपाल मेरा देश नहीं है; यह एक विदेशी देश है, इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती। भारत सरकार इस पर टिप्पणी करेगी। लेकिन यह हमारा पड़ोसी देश है, और हम नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। हालाँकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर भारत सरकार हमें कुछ भी बताती है, तो हम उसके अनुसार प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

अन्यथा, इस मामले को भारत सरकार को देखना होगा।

यह नेपाल में प्रधानमंत्री के.पी. ओली के इस्तीफे के बाद बढ़ती अशांति के मद्देनजर आया है, जिसके चलते देशभर में दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है।

ईडी का बड़ा एक्शन: 273 करोड़ के बैंक घोटाले में दिल्ली-एमपी में 10 ठिकानों पर छापे

नई दिल्ली, 09 सितम्बर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कथित 273 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मध्य प्रदेश में दस स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने दिल्ली में नौ और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक स्थान पर तलाशी ली। तलाशी अभियान में शामिल परिसर कंपनी से निकटता से जुड़ी संस्थाओं और व्यक्तियों के हैं। ईडी ने केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के आधार पर एक प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जो बैंक द्वारा की गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि

कंपनी और उसके प्रवर्तकों व निदेशकों ने आईएफसीआई (भारतीय औद्योगिक वित्त निगम) द्वारा दिए गए लगभग 273 करोड़ रुपये के ऋण और धन का गबन किया।₹ ईडी द्वारा की गई एक जाँच का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने कहा कि ऋण राशि का एक बड़ा हिस्सा ईएचडीएल की विभिन्न संबंधित संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिया गया, जो किसी भी वास्तविक व्यवसाय में शामिल नहीं थीं।

एक अन्य मामले में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा 2014 में दर्ज की गई एक शिकायत और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के दस्तावेज दाखिल किए।

मांड्या हिंसा के बाद कर्नाटक में सियासी संग्राम, सिद्धारमैया ने आरएसएस और भाजपा पर फोड़ा ठीकरा

कर्नाटक, 09 सितम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को आरएसएस और भाजपा पर राज्य में शांति भंग करने का आरोप लगाया। वह भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मांड्या जिले के मद्दुर के प्रस्तावित दौरे पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जहाँ गणपति जुलूस के दौरान पथराव की घटना के बाद तनाव बढ़ गया था। सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा का इरादा और काम शांति भंग करना है। इससे पहले, उन्होंने चामुंडी बेट्टा चलो रैली का आयोजन किया था। विभिन्न स्थानों से आरएसएस के सदस्य और अन्य लोग मैसूर आए थे... वे सभी इकट्ठा हुए और शांति भंग करने का काम किया।

सिद्धारमैया ने कहा कि अब मांड्या के मद्दुर में हिंसा हुई है...

भाजपा के कुछ कहने से पहले ही, हमने 21 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। चाहे वह मुस्लिम हो, ईसाई हो या कोई और, हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे। कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से की गई शिकायत के बारे में पूछे जाने पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की ज़िम्मेदारी है। जब दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, तो क्या तब कानून-व्यवस्था नहीं बिगड़ी थी? मणिपुर में कानून-व्यवस्था का क्या हुआ?

इस बीच, सोमवार शाम को पथराव की घटना के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार सुबह कर्नाटक के मद्दुर कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। निषेधाज्ञा लागू होने के बाद कल रात से दुकानें नहीं खुलने से बाजार वीरान पड़े हैं। इस बीच, इलाके के हिंदू धार्मिक संगठन इस मुद्दे पर एक बैठक कर रहे हैं। पथराव की घटना और उसके बाद भड़के विरोध प्रदर्शन के बाद कुल 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले सोमवार को पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया था।

इससे पहले सोमवार को, हिंदू समर्थक संगठनों ने मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव की कथित घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। कथित तौर पर, मामूली झड़प तब हुई जब गणपति जुलूस एक मस्जिद के पास से गुजरा। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अनुसार, भीड़ को इलाके में ज्यादा देर तक न रुकने के लिए कहा गया था। इससे पहले दिन में, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर हिंदुओं का अपमान करने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

आतिशी की सीएम रेखा गुप्ता से अपील, बाढ़ प्रभावित लोगों को दिया जाना चाहिए मुआवजा

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से राष्ट्रीय राजधानी में बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। आतिशी ने किसानों के लिए भी मुआवजे की मांग की और कहा कि उन्हें फसल नुकसान के लिए 20,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से राहत दी जानी चाहिए।

आतिशी ने कहा कि दिल्ली के सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों की ओर से, मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अपील करती हूँ कि वे प्रत्येक प्रभावित परिवार के एक वयस्क सदस्य को 18,000 रुपये की आर्थिक सहायता और संपत्ति के नुकसान का मुआवजा प्रदान करें। सभी बाढ़ प्रभावित छात्रों को किताबें और स्टेशनरी दी जानी चाहिए। दिल्ली में प्रभावित किसानों को 20,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाना चाहिए। प्रभावित परिवारों के लिए बाढ़ राहत स्थलों पर शिविर लगाए जाने चाहिए ताकि वे बाढ़ में खोए किसी भी मूल आधिकारिक दस्तावेज की प्रतियां प्राप्त कर सकें। पिछले हफ़्ते, दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने पुराने यमुना पुल के पास बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर बचाव और राहत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने फंसे हुए मवेशियों को बचाने के प्रयासों पर भी प्रकाश

डाला। मिश्रा ने कहा कि ये गायें गौशाला से यहाँ लाई गई थीं; ये बाढ़ में फँस गई थीं। फि लहाल यहाँ 300 गायें हैं, और आज रात और कल भी, इन सभी गायों को गौशाला में पहुँचा दिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रभावित परिवारों के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए अधिकारी, एसडीएम और डॉक्टर मौजूद थे। 5 सितंबर को, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने सिविल लाइंस का दौरा किया और नागरिकों से बाढ़ की खबरों से घबराने की अपील नहीं की। वर्मा ने कहा, ₹सिविल लाइंस इलाके में पानी की एक बूँद भी नहीं है। रिंग रोड से सटी सर्विस रोड सड़क के स्तर से 8 से 10 फीट नीचे है और बारिश का पानी पंप करके निकाला जा रहा है। यह कहना सही नहीं है कि दिल्ली यमुना नदी में डूबी हुई है।₹ दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर सोमवार को खतरे के निशान से नीचे आ गया, जिससे कई दिनों से बाढ़ की आशंका के बाद राहत मिली। पुराने यमुना पुल से ली गई तस्वीरों में नदी 205.30 मीटर से नीचे बह रही है।

धर्मेंद्र प्रधान दो दिवसीय यूएई यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 10 से 11 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुए हैं। प्रधान की यात्रा का उद्देश्य शिक्षा में द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करना और शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार-संचालित पारिस्थितिकी तंत्र के लिए रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देना है। इस यात्रा के दौरान, वह संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष नेताओं, मंत्रियों, नीति निमार्ताओं, शिक्षाविदों और भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के संस्थानों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे।

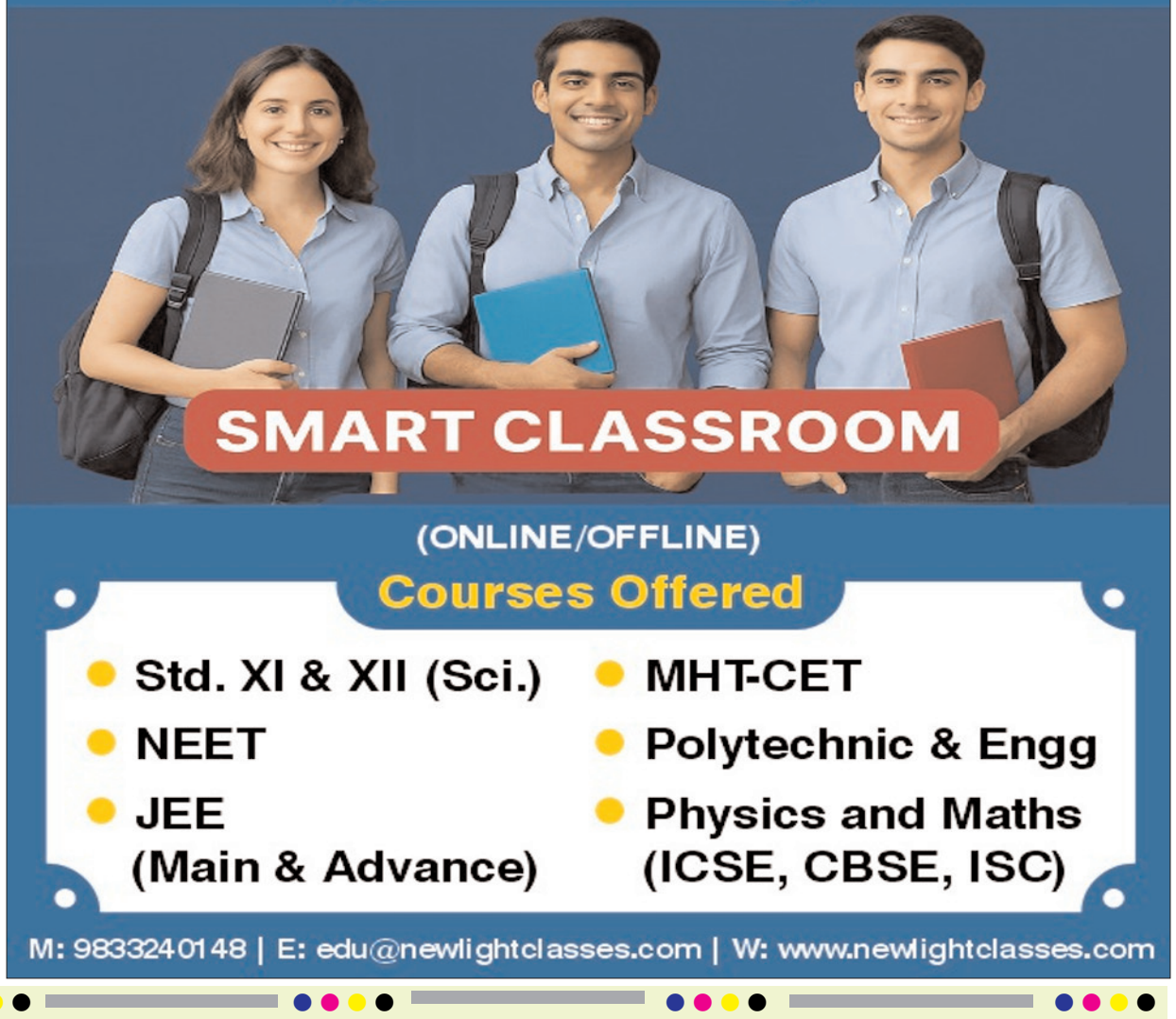

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस-10 सितम्बर, 2025

निराशा से आशा की ओरः आत्महत्या के खिलाफ जंग

-ललित गर्ग

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइडह्ल रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दशार्ता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोजगारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में किरण नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, पारिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरूआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

भारत का पड़ोसी देश क्यों सुलग रहे है नेपाल से श्रीलंका तक बवाल

अशोक भाटिया

पिछले चार सालों में भारत के कई पड़ोसी देशों में घरेलू कारणों से उभरे आंदोलनों ने न सिर्फ सत्ता परिवर्तन को जन्म दिया बल्कि दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी सवाल खड़े कर दिए। नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार की सड़कों पर उतरी भीड़ ने यह साबित कर दिया है कि इन देशों में राजनीतिक और सामाजिक असंतोष अपने चरम पर है।

पहले बात करें नेपाल की ।वहां सोमवार को बीते कल के भारत का छोटा भाई और आज चतुर चीन व मक्कार अमेरिका की गोद में झूल रहा नेपाल सुलग उठा। गुस्साई भीड़ नेपाली संसद में घुस पड़ी। ठीक उसी स्टाइल में जैसे कुछ समय पहले बांग्लादेश में बेकाबू भीड़ ने किया था। नेपाल की संसद के भीतर पहुंची भीड़ ने जमकर तोड़फोड़, आगजनी-पथराव किया ।संसद और सरकार की इज्जत बचाने की कोशिश में नेपाली पुलिस द्वारा की गई गोलीबारी में 21 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इन मौतों ने पहले से ही गुस्साई भीड़ के लिए आग में घी का काम कर डाला। पहले से ही उग्र भीड़ के गुस्से का उग्रतम रूप और भयावह हो उठा। कुल जमा खबर लिखे जाने तक नेपाल का ससंद भवन भीड़ और पुलिस व नेपाली सुरक्षाकर्मियों की भीड़ से घिरा हुआ है।

कहा जा रहा है कि गुस्साई भीड़ में लाखों की तादाद में युवा शामिल हैं। जिनकी उम्र 18 से 35 साल रही है। आखिर युवाओं की ही भीड़ इस कदर गुस्से में क्यों? इसके पीछे नेपाल प्रशासन और वहां की सरकार की दलील है कि, कुछ समय पहले नेपाली हुकूमत ने देश में 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पाबंद कर दिए। जैसे कि यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स (पहले ट्विटर) आदि-आदि। इसी से युवाओं की भीड़ विरोध में सड़कों पर उतर आई।

चलिए नेपाल सरकार की यह दलील मान ली जाए तो सवाल पैदा होना लाजिमी है कि, आखिर इन गुस्साए युवाओं की भीड़ हाथों में भ्रष्ट नेपाल सरकार को हटाओ, प्रधानमंत्री ओपी शर्मा ओली महाभ्रष्ट है की तख्तियां और बैनर क्यों थे? सरकार का तो ताल ठोंककर दावेदारी कर रही है कि, नेपाल के युवाओं की भीड़ सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के पाबंद किए जाने से नाराज है। तब फिर सरकार और नेपाली प्रधानमंत्री ओपी शर्मा ओली के भ्रष्ट होने का मुद्दा कैसे इस बवाल में बुरी तरह से उछाल कर जलाया-झोंका-फूंका जा रहा है जो गृह मत्री रमेश लेखक के इस्तीफे व सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से पाबन्दी हटाने से शांत नहीं हो रहा है ।

भारतीय थलसेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स से रिटायर जेएस सोढ़ी एनडीए, खड़कवासला और आईआईटी कानपुर के काबिल स्टूडेंट्स में शुमार रहे हैं। ले। कर्नल जे एस सोढ़ी कहते हैं कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है उस पर भारत को हैरान होने की नहीं, इस सब बवाल से हमें सतर्क-चौकन्ना रहने की जरूरत है। क्योंकि बीते कल में खुद को भारत का छोटा भाई कहने वाला नेपाल बीते कई साल से अपनी स्वार्थ-पूर्ति के लिए पाकिस्तान की तरह ही चतुर चीन और मक्कार अमेरिका की गोद में बैठकर झूल रहा है। अब नेपाल को अपना छोटा भाई समझने की गलती भारत न कर बैठे। हालांकि, हिंदुस्तानी हुकूमत नेपाल के इस बदले हुए रुख को काफी पहले से ताड़े-भांपे बैठा है।

कान का कच्चा और आंख के अंधे जिस नेपाल को भारत, चीन और अमेरिका की विश्वसनीयता में अंतर कर पाने का ही माद्दा बाकी न बचा हो। तब फिर नेपाल में कोई भी बवाल होने वाला है या क्या बवाल कब होने वाला है? यह जानकारी तो नेपाल अपने मतलबपरस्त मक्कार दोस्त अमेरिका और चतुर चीन से मांगे न। चीन और अमेरिका की खुफिया एजेंसियां बताएं नेपाल को, या नेपाल पूछे उनसे कि, नेपाल की संसद पर हमला होने वाला था, और चीन-अमेरिका की एजेंसियों क्यों कहां सोती रहीं? भारतीय एजेंसियां तो नेपाल की मदद तभी करेंगी न जब नेपाल, भारत के दुश्मन देश चीन, और चालबाज अमेरिका की गोद में खेलना बंद करेगा। वरना भारत को क्या पड़ी है कि नेपाल भारत के खिलाफ खेले तो चीन-अमेरिका के हाथों में। और नेपाल कब क्यों कैसे जलने वाला है? यह खबर नेपाल को भारतीय एजेंसियां दें। अंतरराष्ट्रीय वैश्विक, सामरिक, विदेश नीति और कूटनीति में ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि जो देश, किसी देश के साथ मक्कारी करे, वही पीड़ित देश उस मक्कार देश की मदद करे।

बांग्लादेश की बात करें तो बांग्लादेश में अशांति का माहौल 2022 से ही बनने लगा था, लेकिन मई 2024 में यह गुस्सा चरम पर पहुंच गया। राजधानी ढाका और अन्य शहरों में शेख हसीना सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अवामी लीग और उसकी छात्र इकाई पर प्रतिबंध लगाया जाए। आरोप था कि पार्टी लंबे समय से सत्ता पर काबिज रहकर विपक्ष को कमजोर कर रही है और छात्र संगठन हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। सरकार के प्रयासों के बावजूद विरोध थमा नहीं और आखिरकार अगस्त 2024 में शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। शेख हसीना के खिलाफ जिन छात्रों ने विरोध प्रदर्शन कर सत्ता परिवर्तन किया था वही आज मौजूदा सरकार के खिलाफ भी खड़े होते दिख रहे हैं। ठठढ ने बीते दिनों ढाका विश्वविद्यालय के परिसर में विरोध भी किया था साथ ही आरोप लगाया था कि सेना एक साजिश के तहत शेख हसीना की अवामी लीग के लिए चुनाव में फायदा पहुंचाने की कोशिश हो रही है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सूचना सलाहकार और छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक नाहिद इस्लाम ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह में शामिल कार्यकर्ताओं द्वारा एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने से पहले यह कदम उठाया था। यानि कि विद्रोह आज भी जारी है ।

बात करे भारत के दुश्मन और परमाणु शक्ति से लैस पाकिस्तान भी पिछले दो सालों में दो बड़े प्रदर्शनों का गवाह बना है। मई 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी ने पूरे पाकिस्तान में आग भड़का दी। लाहौर से लेकर इस्लामाबाद और रावलपिंडी तक उनके समर्थक सड़कों पर उतरे और कई जगहों पर हालात बेकाबू हो गए। सरकारी इमारतों, पुलिस चौकियों और यहां तक कि सेना के प्रतिष्ठानों पर भी हमले हुए। कई शहरों में कर्फ्यू जैसी स्थिति बनी और इंटरनेट सर्विसेज पूरी तरह से बंद कर दी गईं। विशेषज्ञों की मानें तो यह पाकिस्तान के इतिहास में उन असाधारण मौकों में से एक था जब जनता का गुस्सा सीधे सेना की ओर मुड़ा। इन प्रदर्शनों ने यह संकेत दिया कि पाकिस्तान की राजनीति और सत्ता पर कितना बड़ा संकट है। प्रदर्शन उस समय हुए जब इमरान के सत्ता से हटने के करीब एक साल बाद तोशाखान मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इमरान अभी तक जेल में बंद हैं। इस प्रदर्शन में जहां 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई तो वहीं हजारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हॉल ही में पाकिस्तान का बलूचिस्तान बेहद अशांति है। यहां हाल के समय में पाकिस्तान विरोधी हिंसा के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पिछले दिनों बलूचिस्तान में दो विभिन्न मामलों में बलूच बंदूकधारियों ने करीब 40 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान में पिछला अगस्त का महीने पिछले 6 साल का सबसे घातक महीना रहा है। अगस्त महीने में सबसे ज्यादा हिंसा के मामले आए हैं। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (PICSS) के अनुसार अगस्त के महीने में पाकिस्तान में सरकार विरोधी हिंसा के मामलों में खतरनाक ढंग से बढ़ोतरी हुई है। इस कारण यह पिछले 6 साल का सबसे ज्यादा अशांत महीना बन गया है। अगस्त में बलूचिस्तान में सबसे अधिक मौतें होने के मामले सामने आए हैं। PICSS की जारी रिपोर्ट के अनुसार केवल अगस्त के महीने में हिंसा की घटनाओं में पाकिस्तान में कम से कम 254 लोग मारे गए। इनमें 92 नागरिक, 108 आतंकवादी और 54 सशस्त्र सैनिक शामिल थे। इसके अतिरिक्त अलग अलग घटनाओं में करीब 150 लोग घायल हुए। इनमें 88 के करीब आमजन थे।

पाकिस्तान से पहले भारत का एक और पड़ोसी श्रीलंका में साल 2022 में बड़े प्रदर्शन हुए। भयंकर आर्थिक संकट के बाद देश धीरे-धीरे सुधार की कोशिशों की तरफ बढ़ रहा था लेकिन जनता नाराज थी। राजधानी कोलंबो, कैंडी और कई और शहरों में हजारों लोगों ने बिजली कटौती, महंगाई, ईंधन की कीमतों में वृद्धि और बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन किए। कई जगह भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी भी हुई। इस प्रदर्शन की नींव दरअसल मार्च 2022 में ही पड़ चुकी थी। श्रीलंका में हुए इन प्रदर्शनों को अरगलाया आंदोलन का नाम दिया गया था। प्रदर्शन के बीच ही जनता राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास में दाखिल हो गई और तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ गया। फिलहाल पूर्व राष्ट्रपति और पीएम रानिल विक्रमसिंघे सरकारी फंड के दुरुपयोग के आरोप में जेल की सजा काट रहे हैं।

फरवरी 2021 में भारत के नॉर्थ-ईस्ट रीजन से सटे म्यांमार में सैन्य तख्तापलट हो गया। देश में तब से ही हालात लगातार अस्थिर हैं और जनता लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष कर रही है। 2025 में भी विश्वविद्यालयों, मंदिरों और कस्बों में विरोध प्रदर्शन जारी हैं। छात्रों, नागरिक समूहों और भिक्षुओं ने सेना के खिलाफ आवाज बुलंद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। तख्तापलट के बाद से ही देश की नेता आंग सा सू की जेल में हैं और सेना सत्ता पर काबिज है। देश में इन हालातों में गिरफ्तारियां, गोलीबारी, इंटरनेट ब्लैकआउट और मीडिया पर पाबंदियां आम हैं। देश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ रहा है लेकिन सैन्य शासन अभी भी सख्ती से सत्ता पर काबिज है। 2021 में हुए प्रदर्शन को स्प्रिंग रेवॉल्यूशन के नाम से जाना जाता है।

काशी में त्रिपिंडी श्राद्धः पितरों की मुक्ति और वंशजों का कल्याण

-सुरेश गांधी

भारतीय जीवनदर्शन में मनुष्य मात्र शरीर और आत्मा का संयोग नहीं, बल्कि तीन ऋणों का धारक हैः देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण। इन ऋणों में पितृऋण सबसे सहज, किन्तु सबसे गंभीर माना गया है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं, वह अपने पूर्वजों की देन है। उनके द्वारा बोए गए संस्कार, अर्जित संपत्ति, संचित पुण्य और जीवन की परंपराएं ही हमें प्राप्त होती हैं। इसी ऋण से मुक्त होने के लिए श्राद्ध का विधान है, और जब कई पीढ़ियों का स्मरण एक साथ किया जाए तो वह कहलाता है, त्रिपिंडी श्राद्ध। त्रिपिंडी श्राद्ध यानी पिछली तीन पीढ़ियों के पूर्वजों के पिंडदान। यदि किसी परिवार में किसी पूर्वज की मृत्यु कम उम्र, अकाल या वृद्धावस्था में हुई हो, तो उनकी आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए यह अनुष्ठान अनिवार्य माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, पितर ही अपने कुल की रक्षा करते हैं। यदि उनकी तृप्ति न हो तो वंशजों का जीवन बाधाओं, रोग और असफलताओं से प्रभावित हो सकता है। त्रिपिंडी श्राद्ध के माध्यम से पितरों को संतुष्टि मिलती है और आने वाली पीढ़ियों का कल्याण सुनिश्चित होता है। मतलब साफ है त्रिपिंडी श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि पितृलोक और जीवित लोक को जोड़ने वाला आध्यात्मिक सेतु है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारा अस्तित्व अकेला नहीं, बल्कि शताब्दियों की परंपराओं, तप और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। जैसे वृक्ष की जड़ें सिंचित होने पर शाखाएं हरी-भरी होती हैं, वैसे ही पितरों को तृप्त करने पर संतानों का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण होता है। यथार्थ में यह केवल तीन पीढ़ियों का तर्पण मात्र नहीं, बल्कि संपूर्ण पितृपरंपरा के प्रति समर्पित आह्वान है। ऐसा माना जाता है कि जब पूर्वजों को भूले-भटके संतानों द्वारा स्मरण नहीं मिलता, तब वे त्रिपिंडी श्राद्ध की कामना करते हैं। ह्यमहाभारतह्ल में भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध की महिमा समझाते हुए कहा था कि ह्लश्राद्ध तर्पण से पितर संतुष्ट होकर वंशजों को दीघार्यु, संतति, धन और धर्म की सिद्धि प्रदान करते हैं।ह्व पद्मपुराण में उल्लेख है कि यदि श्राद्ध विधि से न किया जाए तो पितृ आत्माएं ह्यप्रेत योनिह्ल में भटकती रहती हैं और स्वप्न में संकेत देती हैं। ऐसे में त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों को स्थायी शांति और तृप्ति प्रदान करता है।

कहा जा सकता है त्रिपिंडी श्राद्ध भारतीय जीवन की उस परंपरा का प्रतीक है, जहां मनुष्य अपने जीवन को केवल स्वयं तक सीमित न रखकर, अतीत और भविष्य की कड़ी के रूप में जीता है। यह संस्कार स्मरण कराता है कि पितरों को तृप्त कर हम न केवल अपने ऋण का निर्वाह करते हैं, बल्कि अपने वंश की जड़ों को भी सींचते हैं। कालिदास ने रघुवंश में पितरों को अन्न-जल अर्पित करने का उल्लेख किया है। तुलसीदास ने रामचरितमानस में श्राद्ध को धर्म और नीति का अंग बताया। लोकगीतों और कथाओं में पितृपक्ष को ह्यकातिके बरखाह्ल की तरह भावुकता से जोड़ा गया है।

त्रिपिंडी श्राद्ध की तिथियां और विधि

पितृपक्ष, भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक, पितरों की आत्माओं के स्वागत और श्राद्ध के लिए विशेष काल माना जाता है। यही वह काल है जब माना जाता है कि पितरों की आत्माएं अपने वंशजों के पिंडदान और तर्पण की प्रतीक्षा करती हैं। इसके लिए भोर की बेला में शुद्ध स्नान के पश्चात संकल्प लिया जाता है। कुश के आसन पर बैठकर, तिल, चावल, जौ, घी और मधु से तीन पिंड बनाए जाते हैं। यह तीनों पिंड क्रमशः तमोगुणी प्रेतों के लिए, रजोगुणी प्रेतों के लिए, सात्त्विक प्रेतों के लिए। किया जाता है. इन पिंडों के साथ तीन ध्वज भी लगाए जाते हैं, काला, लाल और सफेद। ये ध्वज क्रमशः तामस, राजस और सात्त्विक योनियों की मुक्ति का प्रतीक हैं। इस विधि में ब्रह्मा, विष्णु और महेश की पूजा विशेष रूप से की जाती है। ब्रह्माः जीवन के सृजन और मृत्यु के क्षरण का प्रतीक। विष्णुः संतुलन और करुणा के देवता, जो दुःख हरते हैं। शिवः संहारक होते हुए भी करुणामूर्ति, जो आत्मा को मोक्ष प्रदान करते हैं। मंत्रोच्चार के साथ एक-एक पिंड क्रमशः पितृ, पितामह और प्रपितामह को अर्पित किया जाता है। तर्पण के पश्चात ब्राह्मण भोजन कराया जाता है और दक्षिणा अर्पित कर यह अनुष्ठान पूर्ण होता है। त्रिपिंडी श्राद्ध किसी भी दिन किया जा सकता है, किंतु शास्त्रकारों ने विशेष तिथियां बताई हैं, पंचमी, अष्टमी, एकादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी व अमावस्या. इन दिनों में किया गया त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों को अधिक शीघ्र और स्थायी संतुष्टि प्रदान करता है। विशेष रूप से अमावस्या का दिन पितृमोक्ष का प्रधान दिन माना गया है। इसके विधि-विधान इस प्रकार हैः -

1. संकल्पः यजमान पवित्र होकर संकल्प करता है कि वह अपने पितरों के निमित्त त्रिपिंडी श्राद्ध करेगा। संकल्प में तीन पीढ़ियों, पिता, पितामह और प्रपितामह का स्मरण किया जाता है।

2. देवता आह्वानः ब्रह्मा, विष्णु और महेश की प्रतीकात्मक मूर्तियां (सोना, चांदी और ताम्र से निर्मित) स्थापित की जाती हैं। यह मूर्तियां त्रिगुणात्मक प्रेतबाधाओं को शांति प्रदान करने का प्रतीक हैं।

3. पिंडदानः जौ और चावल से तीन पिंड बनाए जाते हैं। इन्हें क्रमशः तीन पीढ़ियों को समर्पित किया जाता है। पहला पिंड, प्रपितामह को दूसरा पिंड, पितामह को व तीसरा पिंड पिता को, इसके अतिरिक्त यदि परिवार में कोई अकाल मृत आत्मा हो, तो उसके लिए भी विशेष पिंड समर्पित किया जाता है।

4. ध्वज स्थापनः काला, लाल और सफेद झंडे लगाए जाते हैं। काला झंडाः तामसिक प्रेतों की शांति के लिए, लाल झंडाः राजसिक प्रेतों की शांति के लिए, सफेद झंडाः सात्त्विक प्रेतों की शांति के लिए लगाया जाता है.

5. तर्पण और हवनः गंगाजल, दूध, तिल, पुष्प और खीर से तर्पण किया जाता है। तत्पश्चात हवन करके पितरों को अग्नि के माध्यम से ह्लॐ पितृभ्यः स्वधा नमःह्ल, आहुति दी जाती है।

6. ब्राह्मण भोजन और दानः ब्राह्मणों को भोजन और दक्षिणा दी जाती है। गौ को चारा अर्पित करना भी अनिवार्य माना गया है।

त्रिपिंडी श्राद्ध की सामग्री

इस अनुष्ठान में प्रयुक्त सामग्री अपने आप में प्रतीकात्मक है। जौ, चावल और तिल, शुद्धता और संतुष्टि के प्रतीक। गंगाजलः पवित्रता और अमरत्व का प्रतीक। सोना, चांदी और ताम्र मूर्तियांः त्रिगुणात्मक सृष्टि का द्योतक। ध्वजः प्रेतबाधाओं की शांति के संकेत। नारियल, सुपारी, पानः संपूर्णता, शुभता और मंगल का प्रतीक। खीर, पंचमेवा, गुड़, शहदः तृप्ति और मधुरता के प्रतीक। रुद्राक्ष माला, कपूर, धूपः शिवत्व और दिव्यता का आह्वान।

कौन कर सकता है त्रिपिंडी श्राद्ध?

ज्येष्ठ पुत्र, पौत्र, भ्राता या निकट संबंधी, अविवाहित पुरुष और पति-पत्नी जोड़ी, विधुर पुरुष व आवश्यक स्थिति में कन्या या पुत्री भी कर सकती है. किंतु महिलाओं द्वारा अकेले यह श्राद्ध करने की परंपरा नहीं है। यह अनुष्ठान उन परिवारों के लिए विशेष आवश्यक है जिस व्यक्ति के कुल में पितृदोष है, अथवा जिसकी वंश परंपरा में अकाल मृत्यु की घटनाएं अधिक हुई हों, उसे जीवन में एक बार अवश्य त्रिपिंडी श्राद्ध कराना चाहिए।

त्रिपिंडी का फल

कुल में पितृदोष का शमन होता है। परिवार में संतान, स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। वंश में अकाल मृत्यु और संकट दूर होते हैं। आत्मा और पूर्वजों के बीच अदृश्य बंधन मजबूत होता है। पितरों की तृप्ति से कुल की ऊर्जा संतुलित होती है, परिवार में शांति आती है और संतान के जीवन में नई दिशाएं खुलती हैं। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि त्रिपिंडी श्राद्ध करने वाला अपने पितरों को स्वर्ग मार्ग का दीप देता है।

नारायण बलि और त्रिपिंडी श्राद्ध

यह अनुष्ठान अकाल मृत्यु या असामान्य मृत्यु (जैसे दुर्घटना, आत्महत्या, हिंसा, गर्भपात) से पीड़ित आत्माओं की शांति हेतु किया जाता है। भगवान विष्णु (नारायण) ब्रह्मा, विष्णु, महेश (त्रिगुणात्मक) को साक्षी मानकर गेहूं के आटे से कृत्रिम शरीर बनाकर उसका प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार किया जाता है। यह अनुष्ठान प्रायः काशी, त्र्यंबकेश्वर (नासिक), सिद्धपुर (गुजरात) और गया (बिहार) जैसे विशेष तीर्थों पर संपन्न होता है। यह तीन पीढ़ियों के पितरों की तृप्ति हेतु किया जाता है। इससे सम्पूर्ण वंश की तीन पीढ़ियों की आत्माओं की शांति एंव मोक्ष मिलती है। इसमें जौ-चावल के पिंड अर्पित किए जाते हैं। यह विशेष रूप से काशी के पिशाचमोचन कुंड पर करने का विधान है। नारायण बलिः व्यक्ति विशेष की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है. यह तीर्थ और प्रायश्चित पर आधारित है. जबकि त्रिपिंडी श्राद्ध नियमित पितृकर्म की परंपरा का हिस्सा है।

गयाश्राद्ध की कथा

कहा जाता है कि गया में जब भगवान राम ने अपने पितृ दशरथ के लिए पिंडदान किया, तब गयाधर पर्वत ने स्वयं को आहूत किया और कहा, ह्लयह स्थल पितरों की तृप्ति का परम स्थान होगा।ह्व तभी से गया में किया गया श्राद्ध और विशेषकर त्रिपिंडी श्राद्ध, अक्षय फलदायी माना जाता है। किंवदंती है कि स्वयं भगवान विष्णु ने गयाधर पर आकर यमराज से कहा, ह्लजो यहां अपने पितरों के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध करेगा, उसे स्वर्गलोक का मार्ग सुलभ होगा।ह्व

पितृलोक और त्रिपिंडी

गर्व और मोह में डूबे मनुष्य अक्सर यह भूल जाते हैं कि उनके पीछे अनगिनत पीढ़ियां खड़ी हैं। शास्त्र कहते हैं कि पितृलोक में तीन पीढ़ियां, पितृ, पितामह और प्रपितामह अपनी संतानों से तर्पण की प्रतीक्षा करती हैं। त्रिपिंडी श्राद्ध के तीन पिंड इन्हीं के लिए होते हैं। जब ये पिंड अर्पित होते हैं, तो मानो स्वर्ग के पथ पर दीपक प्रज्वलित हो जाते हैं और पितृ संतुष्ट होकर वंशज को आशीष देते हैं।

त्रिपिंडी श्राद्ध की आवश्यकता

जब किसी परिवार में वर्षों तक श्राद्ध नहीं किया जाता, जब वंश में अचानक अवरोध या संकट दिखाई देते हैं, जब पितरों की अशांति स्वप्न या जीवन की परिस्थितियों में संकेत देने लगती है, तब त्रिपिंडी श्राद्ध करने का विधान है। यह श्राद्ध न केवल अनुष्ठानिक है, बल्कि एक नैतिक दायित्व है, पूर्वजों को स्मरण करना, उन्हें तृप्त करना और उनके आशीर्वाद से जीवन की दिशा को प्रशस्त करना।

मृत्यु और मोक्ष व पिशाचमोचन का रहस्य

वाराणसी केवल एक नगर नहीं, बल्कि वह तीर्थ है जहां जीवन और मृत्यु की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं। यहां मृत्यु कोई भय का विषय नहीं, बल्कि मुक्ति का उत्सव है। काशी में अंतिम प्राण त्यागने वाला शिव की करुणा का अधिकारी बनता है। मतलब साफ है काशी में मृत्यु स्वयं महाकालेश्वर शिव के अधीन है। यहां कालभैरव रक्षक हैं और विश्वनाथ मुक्तिदाता। स्कंद पुराण कहता है कि काशी वह भूमि है जहां मृत्यु भी मोक्षदायिनी हो जाती है। इसी काशी में एक अद्भुत स्थल है, पिशाचमोचन कुंड। यह केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि शास्त्रों में वर्णित उन दुर्लभ तीर्थों में से एक है, जहां पितरों की प्रेतबाधा और अकाल मृत्यु से पीड़ित आत्माओं की मुक्ति का उपाय मिलता है। श्राद्ध और पिंडदान की परंपरा भारत की आत्मा में रची-बसी है। क्योंकि हमारे ऋषियों ने माना कि जीवित पीढ़ियां केवल अपनी मेहनत से नहीं, बल्कि पूर्वजों के आशीर्वाद से भी फलती-फूलती हैं। यदि पितरों की आत्मा असंतुष्ट हो, तो वह वंशजों के जीवन में बाधा डालती है। इसी पितृ शांति के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध का विधान है, और वह भी विशेष रूप से काशी के पिशाचमोचन कुंड पर। लोकश्रुति है कि गंगा जब तक धरती पर नहीं उतरी थी, तब तक काशी के इस कुंड का जल पितरों की तृप्ति का साधन बना हुआ था। यह कुंड मानो देवताओं की करुणा का मूर्त रूप है, जिसने मृतात्माओं को मुक्ति का मार्ग दिखाया। कुंड के पास स्थित है एक प्राचीन पीपल वृक्ष। इस वृक्ष की जड़ में सिक्का अर्पित करने की परंपरा है। विश्वास है कि यह सिक्का केवल धातु का टुकड़ा नहीं, बल्कि पितृऋण से मुक्ति का प्रतीक है। जैसे ही यजमान सिक्का अर्पित करता है, पितर संतुष्ट हो जाते हैं और उनके आशीर्वाद से कुल में शांति और समृद्धि लौट आती है। शास्त्रों में कहा गया है कि यह स्थल इतना पवित्र है कि स्वयं प्रेतात्माएं भी यहां आकर अपनी व्यथा का अंत करती हैं। यही कारण है कि इसे पिशाचमोचन कहा गया, अर्थात वह स्थान जहां प्रेतबाधा समाप्त होती है।

प्रेतबाधा

भारतीय दर्शन में प्रेत केवल भूतिया छवि नहीं, बल्कि असंतुष्ट आत्मा का प्रतीक है। यह असंतोष तब उत्पन्न होता है जब आत्मा का शरीर से अचानक वियोग होता है, या जीवन की इच्छाएं अधूरी रह जाती हैं। शास्त्र कहते हैं कि प्रेतबाधा तीन प्रकार की होती है, सात्त्विक प्रेत, जो अपने अधूरे धर्म और ज्ञान के कारण बंधे रहते हैं। ऐसे प्रेत जिनके कर्म अपेक्षाकृत शुभ रहे, किंतु पिण्डदान और श्राद्ध संस्कार के अभाव में वे बीच की स्थिति में अटक जाते हैं। राजसिक प्रेत, जो वासनाओं और अधूरी महत्वाकांक्षाओं में उलझे रहते हैं। जिन्हें असमय मृत्यु या आकस्मिक दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ा हो। उनका असंतोष उन्हें बांधे रखता है। तामसिक प्रेत, जो क्रोध, हिंसा और नकारात्मक प्रवृत्तियों के कारण पीड़ा में रहते हैं। वे आत्माएं जो पाप, अधर्म, अत्याचार या नशे जैसी प्रवृत्तियों में फँसी रहीं। इनकी मुक्ति अत्यंत कठिन मानी जाती है। त्रिपिंडी श्राद्ध का उद्देश्य इन तीनों स्तरों की आत्माओं को शांति देना है। जब वे संतुष्ट होती हैं, तो वंशजों के जीवन से बाधाएं हटती हैं और परिवार में सुख-समृद्धि लौटती है।

काशी का संदेश

काशी के पिशाचमोचन कुंड से यही आह्वान होता है, ह्लहे मनुष्य! अपने पुरखों को मत भूलो। उनकी स्मृति, उनकी शांति और उनके आशीर्वाद में ही तुम्हारा जीवन सार्थक है।ह्व काशी की पावन भूमि पर जब पिशाचमोचन कुंड में त्रिपिंडी श्राद्ध सम्पन्न होता है, तब केवल पितरों की आत्मा ही शांत नहीं होती, बल्कि जीवित वंशजों का मन भी एक अद्भुत हल्कापन और शांति का अनुभव करता है। यही इस अनुष्ठान की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

काशी, जिसे अनंत मुक्तिधाम कहा जाता है, भारतीय संस्कृति और धर्म के गहन रहस्यों का केंद्र है। यहां का पिशाचमोचन कुंड विशेष रूप से पितरों की शांति और मोक्ष के लिए प्रसिद्ध है। इसी कुंड पर संपन्न होने वाला त्रिपिंडी श्राद्ध अपने आप में अद्वितीय है, जो न केवल पितरों को प्रेतबाधा और अकाल मृत्यु की पीड़ा से मुक्त करता है, बल्कि वंशजों को भी पितृ ऋण से मुक्ति प्रदान करता है। मतलब साफ है काशी केवल भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के हिंदुओं के लिए मोक्षधाम है। यहां मृत्यु होने पर महादेव स्वयं आत्मा को मुक्त करते हैं। पिशाचमोचन कुंड में त्रिपिंडी श्राद्ध कराने से पितरों को शीघ्र मुक्ति मिलती है। विदेशी हिंदू भी अपने पितरों का श्राद्ध कराने काशी आते हैं। यह अनुष्ठान पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक सेतु का कार्य करता है। वैसे भी श्राद्ध केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि स्मृति और कृतज्ञता का संस्कार है। ब्राह्मण भोज और दान से सामाजिक समरसता बढ़ती है। यही वजह है महाकवियों और पुराणों में भी पितृकर्म को धर्म और नीति का अंग बताया गया है. त्रिपिंडी श्राद्ध केवल पूर्वजों की आत्मा की शांति नहीं कराता, बल्कि वंशजों को भी पितृ ऋण से मुक्ति दिलाता है। यह संस्कार जीवन और मृत्यु के बीच सांस्कृतिक सेतु का काम करता है। काशी के पिशाचमोचन कुंड में होने वाला त्रिपिंडी श्राद्ध पितरों की संतुष्टि और वंशजों के जीवन में सुख-शांति सुनिश्चित करता है।

एमसीईडी की ओर से विरार में एक्युप्रेशर टेक्नीशियन प्रशिक्षण- शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा मौका

पालघर(उत्तरशक्ति)। उद्योग संचालनालय, महाराष्ट्र शासन अंतर्गत कार्यरत महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र (एमसीईडी) तथा आर. जे. हेल्थ केयर के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षित बेरोजगार युवकझ्युवतियों को स्वझ्रोजगार की दिशा में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक्युप्रेशर टेक्नीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण शिविर विरार (पूर्व) में 9 से 13 सितंबर 2025 तक चलेगा। पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को एक्युप्रेशर की मूलभूत जानकारी, विभिन्न तकनीकों का उपयोग, एक्युप्रेशर पॉइंट्स की पहचान व प्रायोगिक अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में उपलब्ध औद्योगिक अवसर, उद्यमिता के लिए आवश्यक मानसिकता व गुण, शासकीय योजनाओं की जानकारी तथा मुख्यमंत्री रोजगार निर्मिती कार्यक्रम पर मार्गदर्शन भी विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले उम्मीदवारों को एमसीईडी की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, साथ ही आगामी दो वर्षों तक उद्योग स्थापना एवं विकास हेतु निशुल्क मार्गदर्शन व सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन आर. जे. हेल्थ केयर सेंटर, ए/101 मधुमंगल बिल्डिंग, रेल्वे स्टेशन सब-वे के सामने, एचडीएफसी बैंक के ऊपर, विरार (पूर्व), तालुका वसई, जिला पालघर में किया जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण हेतु लिंक – https://mced.co.in/Training_Details/?id=4325 उपलब्ध कराया गया है। अधिक जानकारी के लिए प्रशिक्षण समन्वयक स्वाती भोईर (मो. 9284808761), परियोजना अधिकारी धम्मपाल थोरात (मो. 9168667163) अथवा तकनीकी प्रशिक्षक डॉ. सुशिल सावंत (मो. 8446262933) से संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर का लाभ उठाने का आव्हान एमसीईडी मुंबई/कोंकण के विभागीय अधिकारी डी.यू. थावरे ने किया है।

भिवंडी के स्टेम वाटर प्लांट में क्लोरीन गैस रिसाव से मची अफरा-तफरी पांच कर्मचारी हुए प्रभावित

भिवंडी। भिवंडी के टेमघर स्थित भिवंडी, ठाणे, मीरा भायंदर महानगर पालिका के संयुक्त स्टेम वाटर प्लांट में आधी रात को क्लोरीन गैस का रिसाव हुआ। इस गैस रिसाव से पांच कर्मचारी प्रभावित हुए और उनकी तबीयत बिगड़ गई। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही भिवंडी मनपा के अधिकारी और दमकल विभाग, मुख्य आपातकालीन कक्ष के कर्मचारी, सुरक्षा अधिकारी और शांतिनगर पुलिस थाने के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुँचे। इस हादसे में पांच कर्मचारी प्रभावित हुए जिनमें चौकीदार अखिलेश मिश्रा, केमिस्ट फि ल्टर प्रकाश पाटिल, हेल्पर ऋषिकेश म्हात्रे, फि ल्टर हेल्पर विपुल चौधरी और पीएसई हेल्पर जयवंत चौधरी शामिल हैं। पास में स्थित इमारत में कुछ नागरिक भी इस क्लोरीन रिसाव से पीड़ित थे। प्रभावित कर्मचारियों को तुरंत इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से तीन कर्मचारियों का इलाज कर उन्हें छुट्टी दे दी गई जबकि दो का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर है। सुरक्षा कारणों से आसपास के इलाके को खाली कराने के निर्देश भी दिए गए। दमकल कर्मियों ने तुरंत गैस रिसाव को रोक दिया जिससे खतरा टल गया। दमकल कर्मियों ने घटनास्थल पर यातायात रोकने के लिए सेफ्टी बार लगाकर गैस रिसाव को रोका और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है। भिवंडी मनपा जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर ने प्रतिक्रिया दी है कि गैस रिसाव पर रात में ही नियंत्रण पा लिया गया था।

अंतर कनिष्ठ महाविद्यालय सुलेख प्रतियोगिता में रईस जूनियर कालेज को प्रथम पुरस्कार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ईद मीलादुन्नबी के अवसर पर प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था हम नशीन फाउंडेशन भिवंडी और प्रोफेट फार आल अभियान मुम्बई के सहयोग से रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में अंतर कनिष्ठ महाविद्यालय सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर कालेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज भिवंडी की ओर से बारहवीं विज्ञान कक्षा की छात्रा अजवा शीरीन ने सुलेख प्रतियोगिता में भाग लिया और निर्णायकों के सर्वसम्मत निर्णय के अनुसार प्रथम पुरस्कार विजेता घोषित की गई। गौरतलब है कि छात्रा की तैयारी प्रसिद्ध आर्टिस्ट अजीम गरकाब और सुफिया मोमिन ने की थी। इस शानदार उपलब्धि पर पुरस्कार विजेता छात्रा और उसके मार्गदर्शक शिक्षकों को केएमईएस प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यगण, प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी, उप प्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सहायक प्रधानाध्यापक मुखलिस मद्दू, पर्यवेक्षक असरार पठान और सब्लैन कशेलकर, वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और समस्त स्टाफ ने बधाई दी है।

टाटा एआईए हेल्थ बडीः हर पल रखे आपके स्वास्थ्य का ख्याल

मुंबई/पटना। स्वास्थ्य चुनौतियां कभी भी किसी के भी सामने आ सकती हैं। ये अप्रत्याशित रूप से सामने आ सकती हैं और ऐसे में परिवार को सहायता, मार्गदर्शन या समय पर उचित देख-भाल के लिए संघर्ष करना पड़ता है। भारत में, बहुत से लोगों को जरूरत के समय उचित मदद हासिल करने में मुश्किल होती है, जिसकी वजह से इलाज में देरी होती है, खर्च बढ़ता है और चिंता बढ़ती है। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस में, हमारा मानना है कि जीवन की सुरक्षा वित्तीय सहायता से कहीं बढ़कर है। यह हमारे उपभोक्ताओं के लिए हर महत्वपूर्ण क्षण में मौजूद रहने से जुड़ा है। इसलिए हमें ‘टाटा एआईए हेल्थ बडी’ को पेश करते हुए गर्व हो रहा है। यह पेशकश टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस की ओर से भारत के पहले 2497 स्वास्थ्य और वेलनेस भागीदार के रूप में स्वास्थ्य, वेलनेस और जीवन बीमा का अभूतपूर्व मिश्रण पेश करती है। इस बेहतरीन समाधान को लोगों के और करीब लाने के लिए, टाटा एआईए ने हेल्थ बडी शुभंकर का अनावरण किया, जो दोस्ताना, सहज पहचान के साथ विश्वास, देखभाल और सुगमता का प्रतीक है।

जिला परिषद कार्यालय में कोकण विभागीय आधुनिक पत्रकारिता कार्यशाला आयोजित

पत्रकार सकारात्मक प्रचार से जिले के सर्वांगीण विकास में दें योगदान : जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में केंद्र और राज्य शासन द्वारा विभिन्न विकास परियोजनाएँ कार्यान्वित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं के सकारात्मक प्रचार से जिले सहित देश के सर्वांगीण विकास में पत्रकारों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रेरणादायी संदेश जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड ने मंगलवार 9 सितंबर 2025 को आयोजित आधुनिक पत्रकारिता कार्यशाला में दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दर्पणकार बालशास्त्री जांभेकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। यह कार्यशाला कोकण विभागीय माहिती कार्यालय, पालघर जिला माहिती कार्यालय और कोकण विभागीय अधिस्वीकृति समिति के संयुक्त तत्वावधान में जिला परिषद भवन के जननायक बिरसा मुंडा सभागार में संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, कोकण विभागीय अधिस्वीकृति समिति के अध्यक्ष मनोज जालनावाला, सदस्य हर्षद पाटील, ठाणे जिला माहिती अधिकारी मनोज सानप, पालघर जिला माहिती अधिकारी राहुल भालेराव, सहायक संचालक संजीवनी जाधव, जनसंपर्क अधिकारी श्रद्धा घरत समेत अनेक मान्यवर एवं जिले के पत्रकार उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने कहा कि बदलते समय के साथ पत्रकारों को आधुनिक तकनीक अपनाना आवश्यक है। सोशल मीडिया ने पत्रकारिता की दिशा और स्वरूप दोनों बदल दिए हैं। इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं, इसलिए जिम्मेदारी और सजगता के साथ इसका उपयोग करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पालघर में आने वाले पाँच वर्षों में बड़े विकास प्रकल्पों से जिले की तस्वीर बदल जायेगी और रोजगार, शिक्षा, सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र में नये अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। प्रिंट और डिजिटल मीडिया के साथ सोशल मीडिया व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) भी पत्रकारिता का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। पत्रकारों को प्रशासन की गलतियों के साथ-साथ उसके अच्छे कार्यों को भी उजागर करना चाहिए। कोकण विभागीय अधिस्वीकृति समिति के अध्यक्ष मनोज जालनावाला ने अधिस्वीकृति पत्रिका के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों से जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया। सोशल मीडिया और एआई विशेषज्ञ युवराज आर्य ने आधुनिक पत्रकारिता में डिजिटल टूल्स और एआई के प्रभावी उपयोग पर चर्चा की। साइबर अपराध विशेषज्ञ उन्मेश जोशी ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर सुरक्षा और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं, डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ संजय मिश्रा ने पत्रकारिता में डिजिटल साधनों के जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया। कार्यशाला का प्रास्ताविक ठाणे जिला माहिती अधिकारी मनोज सानप ने किया और संचालन संजीवनी जाधव ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभागीय माहिती कार्यालय कोंकण भवन, जिला माहिती कार्यालय पालघर, जिला परिषद कार्यालय के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

सायन में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से जनता परेशान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जय भारत माता नगर, सायन में रहने वाले लोग इन दिनों परिसर में बढ़ रही चोरी तथा अन्य अपराधिक घटनाओं के चलते परेशान हैं।

संकट मोचन सोसायटी के पदाधिकारियों ने वडाला टी टी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सरोदे तथा स्थानीय नगर सेवक रामदास कांबले को ज्ञापन परिसर में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाए जाने की मांग की है ताकि लोग सुरक्षित महसूस कर सके। सोसायटी की तरफ से ज्ञापन देने वालों में महासचिव विनय जैसवार, उपाध्यक्ष गंगाधर सट्टा, कोषाध्यक्ष पवित्र मंडल, धर्मेंद्र जैसवार, घनश्याम जैसवार , कैलाश मौर्य, संतोष पटेल, गणेश देवेंद्र और शिवपूजन यादव का समावेश रहा।

चिंचोटी-भिवंडी सड़क मरम्मत को मंजूरी, जल्द शुरू होगा कार्य

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई और भिवंडी को जोड़ने वाली चिंचोटी-भिवंडी सड़क की मरम्मत का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। वर्षों से उपेक्षित और जर्जर इस सड़क के कंक्रीटिंग कार्य को 26 अगस्त 2025 से शुरू करने की अनुमति मुंबई उच्च न्यायालय से प्राप्त हो गई है। यह फैसला विधायक स्नेहा दुबे पंडित के सतत प्रयासों और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस व लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले के सक्रिय हस्तक्षेप के चलते संभव हो सका है। यह सड़क न केवल वसई-भिवंडी के उद्योगों के लिए एक अहम संपर्क मार्ग है, बल्कि चिंचोटी-पोमन-कामन के आदिवासी क्षेत्रों के निवासियों की रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी जीवनरेखा है। सड़क की बदहाली और गड्ढों के कारण पिछले कुछ वर्षों में नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, और कई जानलेवा दुर्घटनाएं भी हुईं। पहले यह सड़क मेसर्स सुप्रीम वसई भिवंडी टोलवेज प्राइवेट लिमिटेड को निर्माण-संचालन-हस्तांतरण (इडळ) आधार पर दी गई थी। परंतु कंपनी द्वारा समय पर रखरखाव और मरम्मत न किए जाने के कारण सड़क जर्जर होती गई। जब सरकार ने नई टेंडर प्रक्रिया शुरू की, तो सुप्रीम कंपनी ने अदालत में मामला दायर कर दिया, जिससे मरम्मत कार्य अटका रहा। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने दिसंबर 2024 के विधानसभा सत्र में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद उन्होंने लगातार 16 अप्रैल, 11 जुलाई और 12 अगस्त 2025 को मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित मंत्रियों के साथ बैठकें कीं। अंततः सरकार द्वारा प्रस्तुत पक्ष पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय ने मरम्मत कार्य शुरू करने की अनुमति दी। अब लोक निर्माण विभाग ने आगे की प्रक्रिया तेज कर दी है और जल्द ही सड़क का कार्य प्रारंभ होगा। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे के समाधान के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले का वसईवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया है।

चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

देशी कट्टा एक मोटर बाइक सोने के आभूषण बरामद

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली शहर में महिलाओं को निशाना बनाकर चेन स्नेचिंग की घटनाओं से दहशत का माहौल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 3 सितंबर की शाम पचास फीट रोड स्थित चामुंडा सोसाइटी गेट पर एक बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीनकर कुछ युवक फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव डीसीपी अतुल झेंडे एसीपी सुहास हेमांडे और डोंबिवली पुलिस थाने के सीनियर इंस्पेक्टर गणेश जवादवाड ने एक विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। फिर पता लगाया कि चोरी की वारदात के पीछे कौन है। पुलिस ने जाल बिछाकर एक अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभय गुप्ता, अभिषेक जौहरी और प्रशांत शुक्ला के रूप में हुई है। उनके कब्जे से एक देसी कट्टा, 4 जिंदा कारतूस, चोरी की बाइक और सोने के गहने बरामद किए गए हैं। बरामद माल की कुल कीमत करीब 3 लाख 80 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपियों के खिलाफ डोंबिवली और मानपाड़ा पुलिस थानों में चोरी और लूट के कई मामले दर्ज हैं। इतना ही नहीं, उत्तर प्रदेश में भी उनके खिलाफ हत्या और डकैती जैसे गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह के बाकी सदस्यों की तलाश जारी है।

महाराष्ट्र का उत्तर भारत की संस्कृति से गहरा संबंधः डॉ उमेश चंद्र तिवारी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र और उत्तर भारत की संस्कृतियों का संबंध ऐतिहासिक प्रभावों और भौगोलिक निकटता के कारण गहरा है, जिसमें धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं में कुछ समानताएं मिलती हैं। मुंबई की यात्रा पर आए सोइथाकला, जौनपुर उत्तर प्रदेश के ब्लॉक प्रमुख डॉ उमेश चंद्र तिवारी ने मीरा रोड के पूनम सागर कॉम्प्लेक्स स्थित लिटिल जीनियस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वैभवशाली महाराष्ट्र की तर्ज पर उत्तर प्रदेश भी तेजी के साथ विकास के पथ पर अग्रसित है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सफल नेतृत्व में काशी, अयोध्या और मथुरा जैसी प्राचीन अध्यात्म नगरी का तेजी के साथ विकास हो रहा है। स्कूल के प्रबंधक तथा कार्यक्रम के आयोजक राजेश मिश्रा समेत उपस्थित सभी लोगों ने डॉ तिवारी का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में हर हर महादेव गुरुजी, स्थानीय नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार दुबे, पूर्व प्रधानाध्यापक अशोक मिश्रा, भाजपा के जिला सचिव रमेश चंद्र मिश्रा, तारकेश्वर मिश्रा, राधेश्याम मिश्रा, लोक गायक दीपक पाठक, विमल दुबे, शैलेश मिश्रा, महेंद्र तिवारी, गौरव तिवारी, राकेश सिंह , कमलेश सिंह, आशीष मिश्रा, रामदास मौर्य, प्रशांत मिश्रा, उत्कर्ष मिश्रा, ग्रांथिक मेहता, रविंद्र पाल आदि का समावेश रहा।

शिवतेज मित्र मंडल द्वारा आयोजित 11 दिवसीय गणेशोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर (प.) अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर प्रांगण में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी गणेश उत्सव बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया।

शिवतेज मित्र मंडल द्वारा शीतला माता मंदिर एवं काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में आयोजित इस भव्य उत्सव का नेतृत्व शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष व केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट ने किया। गणेशोत्सव के अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों तथा विभिन्न राजनीतिकझ्सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस मौके पर भाजपा नेता अशोक वड़े, बोईसर मंडल अध्यक्ष महेंद्र भोणे, शिवसेना नेता मुकेश पाटील, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा प्रदेश महासचिव प्रद्युम शुक्ला, बसंत वरुण, स्थानीय पुलिस अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु बप्पा के पंडाल में पहुंच कर गणपति बप्पा के दर्शन पूजन किए। वहीं मंडल के प्रमुख सदस्य धर्मेंद्र शाह, सुनील लांडे, राजेश बिंद, केशव यादव, मूरत सिंह, राजीव रंजन सिंह, संतोष साहनी, सर्वेश सिंह, आनंद महतो, राकेश राय, सुमित ठाकुर, कुंदन झा, आनंद परडवाल, शिवाजी कदम, बृजलाल सरोज, बीरेंद्र सरोज, बाबू सिंह, राम सिंह, संजय बावरे, राजू यादव, विनय पांडे, पवन यादव, नीलगम जी, जेपी चौहान, बजरंग राय, रितिक केवट, हरिराम विश्वकर्मा, गौरी भाई, अनिल पटेल, मुन्ना ठाकुर, राकेश सिंह, मुन्ना ओझा, दूधनाथ शाह, कृष्णा साहनी, गणेश सिंह चौहान, सुनील शर्मा, रामफेर वर्मा, तुषार सहित बड़ी संख्या में समाजसेवियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नाले पर स्लैब गिरने से टला बड़ा हादसा, महेश सरवणकर ने की गहन जाँच की माँग

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई विरार शहर नगर निगम के वार्ड समिति 'एच' क्षेत्र अंतर्गत कृष्णा टाउनशिप में नरसुले नाले पर बनाए गए एक पार्क का स्लैब शुक्रवार को अचानक ध्वस्त हो गया। गनीमत यह रही कि बारिश के कारण बच्चे उस समय पार्क में मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर ने इस गंभीर दुर्घटना को लेकर नगर निगम प्रशासन पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर इस दुर्घटना की गहन और निष्पक्ष जाँच की माँग की है तथा दोषी अधिकारियों, अभियंताओं, ठेकेदारों और जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज करने की भी अपील की है।

सरवणकर के अनुसार, नाले पर स्लैब डालकर बनाए गए इस पार्क में बच्चों के खेलने के उपकरण और बैठने की व्यवस्था मनपा द्वारा की गई थी। लेकिन बिना समुचित स्ट्रक्चरल ऑडिट के इस प्रकार की संरचना बनाना साफ तौर पर लापरवाही और प्रशासनिक विफलता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि जो नगर निगम बार-बार नागरिक इमारतों को लेकर स्ट्रक्चर ऑडिट के नाम पर नोटिस जारी करता है, उसने खुद के बनाए स्लैब का स्ट्रक्चर ऑडिट क्यों नहीं कराया? क्या यह नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं है? महेश सरवणकर ने यह भी आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा बगीचे के लिए आरक्षित भूखंड का आरक्षण बदलकर वहाँ बहुमंजिला इमारतें निर्माण की अनुमति दी गई है। इस संदर्भ में भी उन्होंने उच्च स्तरीय जाँच की माँग की है।

वाशी में नए स्टोर के साथ ज्वेलबॉक्स का मुंबई में विस्तार

मुंबई। भारत के नए युग के लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी ब्रांड, ज्वेलबॉक्स, ने मुंबई में अपने दूसरे स्टोर की घोषणा की है। अगस्त में बोरीवली स्टोर की सफल शुरूआत के बाद, ब्रांड ने अब इनऑर्बिट मॉल, वाशी में 500 वर्गफुट में नए स्टोर की शुरूआत की है। आधुनिक, मिनिमलिस्टिक और अनुभव-आधारित डिजाइन वाला यह स्टोर लैब-ग्रोन डायमंड्स की खोज को और भी आकर्षक व सहज बनाता है। इनऑर्बिट मॉल, पाम बीच रोड, वाशी की पहली मंजिल पर स्थित यह स्टोर भारत के सबसे डायनामिक ज्वेलरी बाजारों में से एक में ज्वेलबॉक्स की ऑफलाइन विस्तार रणनीति को मजबूत करता है। नवी मुंबई एक महत्वाकांक्षी और स्टाइल-कॉन्शियस उपभोक्ता केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है और ज्वेलबॉक्स यहां टिकाऊ व बहुउपयोगी डायमंड ज्वेलरी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए तैयार है।

लॉन्च सेलिब्रेशन के तौर पर, ज्वेलबॉक्स सीमित समय के लिए डायमंड पर 30% की छूट और मेकिंग चार्ज पर 20% की छूट दे रहा है। ज्वेलबॉक्स की को-फाउंडर विदिता कोचर ने कहा, बोरीवली में स्टोर लॉन्च को मिला शानदार रिस्पॉन्स हमारी उम्मीदों से कहीं अधिक था, जिसने मुंबई में सस्टेनेबल लग्जरी की बढ़ती मांग को साबित किया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति
फॅब्रीकेशन अ‍ॅण्ड ग्रिल वर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS, ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR & ALLUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

चितईपुर में होटल की आड़ में चल रहे देह व्यापार के अड्डे पर एसओजी 2 का छापा

मौके से 9 महिलाएं, 6 पुरुष और होटल का मैनेजर पकड़े गए, कंडोम और शक्तिवर्धक दवायें भी बरामद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। डीसीपी क्राइम सरवणन टी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार के नेतृत्व में एसओजी 2 के जवानों ने देह व्यापार के अड्डे पर रेड डाली। डीसीपी क्राइम के अनुसार बड़ी ही चालाकी से यह धंधा चलाया जा रहा था। ग्राहकों को पहले किसी अन्य स्थान पर बुलाकर पूरी संतुष्टि करने के बाद ही देह व्यापार से जुड़े लोग ग्राहक को होटल पर ले जाते थे और लड़कियां मुहैया कराई जाती थी। डीसीपी क्राइम के अनुसार होटल मालिक के बारे में जानकारी की जा रही है उसकी संलिप्तता मिली तो उसके खिलाफ भी एक्शन होगा।

20 वर्षों की परम्परा को मो.इश्तियाक ने रखा बरकरार

जेसीआई जौनपुर युवा की स्लो बाइक/स्कूटी रेस प्रतियोगिता की जीती ट्राफी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जेसीआई परिवार द्वारा बीते वर्ष की भांति इस बार भी आयोजित स्लो बाइक एवं स्कूटी रेस प्रतियोगिता में मो. अली इश्तियाक ने प्रथम आकर न सिर्फ चैम्पियन की ट्राफी जीती, बल्कि अपने सहित पूर्व में चैम्पियन रहे अपने बड़े भाइयों की बादशाहत को भी कायम रखा। इसकी जानकारी होने पर जहां इश्तियाक को उनके शुभचिन्तकों ने बधाई देना शुरू कर दिया, वहीं लोगों ने कहा कि पिछले 20 वर्षों की परम्परा इस बार भी बरकरार रखकर उन्होंने परिवार एवं क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

बता दें कि जेसीआई जौनपुर युवा ने नगर पालिका परिषद जौनपुर में जेसी सप्ताह का शुभारम्भ किया जहां स्लो बाइक एवं स्कूटी रेस का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिनमें मो. अली इश्तियाक ने अच्छा प्रदर्शन करते हुये प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रिक्की मुमताज द्वितीय एवं इरफान मंसूरी तृतीय आये। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि डा. राम सूरत मौर्य अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पालिका जौनपुर एवं विशिष्ट अतिथि मण्डलाध्यक्ष 2020 आलोक सेठ एवं श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल ने पुरस्कृत किया। साथ ही जेसीआई युवा ने

विजेताओं को क्रमशः 2100 रुपए, 1100 रुपए एवं 500 रुपए का नगद पुरस्कार भी दिया। कार्यक्रम का संचालन सप्ताह सह संयोजक प्रभात भाटिया ने किया।

उक्त अवसर पर मण्डल निदेशक सेनेटर गौरव सेठ, मण्डल अधिकारी आकाश केसरवानी, नयन श्रीवास्तव, मोहित, हर्षित केसरी, सत्यम साहू, सर्वेश सिंह, अभिषेक बैंकर, रिंकू मौर्य, पुष्कर जायसवाल, देवांश केसरवानी, रजनीश केसरवानी, आशीष निषाद, सचिव राहुल प्रजापति, सप्ताह संयोजक श्रेयष जायसवाल, स्वतंत्र मौर्य सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

19 प्रतिभागियों को पछाड़ते हुये बीते वर्षो के चैम्पियन पुनः आये प्रथम

विजेता के बड़े भाई 17 वर्षो से लगातार रहे चैम्पियन

मो. अली इश्तियाक इस बार चैम्पियन चुने गये जो इसके पहले 3 बार से लगातार प्रथम आते चले आ रहे हैं। इतना ही नहीं, इसके पहले श्री इश्तियाक के सबसे बड़े भाई मो. अली गुड्डू ने लगातार 10 वर्षों तक उपरोक्त ट्राफी जीती है। वहीं उनके बाद गुड्डू जी के छोटे भाई एवं इश्तियाक के बड़े भाई मो. अली इरशाद ने लगातार 7 बार उपरोक्त प्रतियोगिता की ट्राफी अपने नाम किया है। कुल मिलाकर 10 बार एवं 7 बार के चैम्पियन रहे उपरोक्त दोनों भाईयों के छोटे भाई मो. अली इश्तियाक ने लगातार 4 बार चैम्पियन बनकर परिवार की परम्परा को कायम रखा है।

चन्दवक पुलिस ने दुष्कर्म मामले में जेल से छूटे आरोपी को तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना चन्दवक पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म में जेल से छूटे आरोपी को एक तमंचा व एक कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार। पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण– दिनांक-15.06.2025 को वादिनी की तहरीरी सूचना के आधार पर छेड़छाड़ करने, गाली गलौज व मारने पीटने व घर में घुस कर जबरन शारीरिक सम्बन्ध बनाने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-179/2025 धारा 76, 115(2), 352, 333, 64(1) बीएनएस बनाम राजकुमार निषाद पुत्र रामपलट निवासी बीरीबारी सारेपुर थाना चन्दवक जनपद जौनपुर के पंजीकृत किया गया तथा आरोपी को दिनांक-17.06.2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। डेढ़ माह पूर्व आरोपी जमानत पर रिहा हुआ था। गिरफ्तारी का विवरण– प्र0नि0 चन्दवक के नेतृत्व में थाना चन्दवक पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर आरोपी राजकुमार निषाद पुत्र रामपलट निवासी बीरीबारी सारेपुर थाना चन्दवक जनपद जौनपुर को 01 नाजायज तमन्चा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ रेलवे अन्डर पास घुड्डा से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी ने डीआईओएस समेत कई अफसरों का वेतन रोका, तीन दिन में मांगा स्पष्टीकरण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण में उदासीनता दिखाना कई अधिकारियों को भारी पड़ गया। अगस्त 2025 के मूल्यांकन में जिले का प्रदर्शन सबसे खराब पाए जाने, अधिकतर शिकायतों पर असंतोषजनक फीडबैक आने और स्थलीय निरीक्षण न किए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अख्तियार किया। गंभीर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत प्रथम (नोडल), प्रभागीय वन अधिकारी, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला समाज कल्याण अधिकारी, सदर, मड़ियाहू, शाहगंज, बदलापुर व मछलीशहर के तहसीलदारों समेत कई बीडीओ व नगर निकाय अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दे दिया। इतना ही नहीं, सभी संबंधित अधिकारियों को तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण लेकर डीएम कार्यालय में हाज़िर होने का फरमान सुनाया गया है। चेतावनी दी गई है कि समय पर जवाब न मिलने या असंतोषजनक उत्तर की स्थिति में मामला उच्चाधिकारियों को भेजकर एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

उमानाथ सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित लेखपाल ट्रेनिंग की परीक्षा का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा उमानाथ सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित लेखपाल ट्रेनिंग की परीक्षा का औचक निरीक्षण किया गया। यह परीक्षा 09 सितम्बर 2025 से 13

सितम्बर 2025 तक आयोजित होगी। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 08.00 बजे से 11.00 बजे तक तक आयोजित हुई, द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 02.00 बजे से 05.00 बजे तक आयोजित होगी। यह परीक्षा 03 दिवस तक दो पाली में आयोजित होगी। इसके अतिरिक्त एक दिन सर्वेक्षण कार्य तथा एक दिन सदाचार व सव्यवहार की परीक्षा आयोजित होगी। आज प्रथम पाली की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। आज की परीक्षा में 214 लेखपाल में 213 लेखपाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अतिरिक्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य उपस्थित रहे।

मरीजों की बेहतर सेवा और इलाज ही मुख्य उद्देश्यः डा.सचिन मौर्या

अब तक कई मरीजों का निशुल्क उपचार कर चुके है लाइफ क्योर हास्पिटल के डॉक्टर

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। धरती के भगवान डॉक्टर को कहा जाता है और यह बात चरितार्थ होती है नगर के जौनपुर रोड मिल्लत नगर स्थित डॉक्टर सचिन मौर्य पर। नगर के मिल्लत नगर स्थित लाइफ क्योर हास्पिटल के डॉक्टर सचिन मौर्य ने एक औपचारिक मुलाकात के दौरान कहा की हमारा उद्देश्य मरीजों की बेहतर सेवा और उपचार ही हमारा प्रमुख उद्देश्य है।हम पैसों की अंधी दौड़ में नही शामिल होना चाहते हैं।मरीजों को अस्पताल से स्वस्थ होकर भेजना ही हमारे लिए आशीर्वाद का काम करते हैं।एक सवाल के जवाब में डॉक्टर सचिन मौर्या ने कहा की कुछ लोग हैं जो हमारे छवि को धूमिल करना चाहते हैं।लेकिन अगर हम सही हैं तो हमारा कोई कुछ भी कर ले मरीजों

और तीमारदारों द्वारा खुद उनका जवाब मिल जाएगा। हाल ही में हुई एक घटना के बारे में जिक्र करते हुए कहा की मोलनापुर निवासी एक मरीज के मौत के मामले जो अफवाहे फैलाई जा रही है। सब सरासर गलत हैं। हमने मरीज का कई घण्टों इलाज किया मगर एक भी रुपया नही लिया। हम गरीबों के सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बताते चले लाइफ क्योर हास्पिटल के डॉक्टर सचिन मौर्य गरीबों का निशुल्क उपचार के लिए भी जाने जाते हैं।अभी कुछ सप्ताह पूर्व ही क्षेत्र के सबरहद निवासी एक ही परिवार के तीन लोग जिसमे दो मासूम भी शामिल थे। उनका उपचार निशुल्क किया था। जिसमे से एक महिला का बेहतर इलाज हेतू जिला अस्पताल भी रेफर किया गया था।मगर चार्ज के नाम पर एक भी रुपया नही लिया गया। फिलहाल डॉक्टर के नम्र स्वभाव और मानवतावादी सोच के सभी लोग प्रशंसा करते हैं।

मो.हसन पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ.अब्दुल कादिर ने किया नोवा मेडिकल का उद्घाटन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर में नोवा मेडिकल का भव्य उद्घाटन

मोहम्मद हसन कॉलेज पी जी के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान के हाथों मंगलवार को किया गया। प्राचार्य अब्दुल कादिर नोवा मेडिकल के प्रो.आसिफ खान को शुभकामनाएं दी और कहा कि जौनपुर जैसे शहर में जहां विभिन्न कंपनियों की कुछ दवाओ के लिए लोगों को दूसरे शहरों में जाना पड़ता था। अब वह सभी दवाइयां ग्राहकों के लिए 20% डिस्काउंट पर उपलब्ध करा रहे हैं। दावाओ के साथ-साथ नोवा मेडिकल पर जनरल प्रोडक्ट्स भी उपलब्ध है। वही इस उद्घाटन समारोह में शहर के कई नामचीन शख्सियत भी उपस्थित रहे।

डॉक्टर सरफराज अहमद खान जफराबाद नगर पंचायत प्रतिनिधि, इमरान बंटी, डॉक्टर दानिश, ताज शोबी, अर्शी, डॉक्टर शाहिद खान, डा.अबू हमजा, आसिफ खान, ओसामा खान, दाऊद खान(गोलू) आदि लोगों ने पहुंच कर आसिफ खान को शुभकामनाएं दी। आसिफ खान ने सभी आगंतुकों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

पौधरोपण कर विद्यार्थियों ने दिया हरियाली का संदेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्तीय अध्ययन विभाग में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण का आयोजन मंगलवार को किया गया। एक छात्र एक पेड़ के स्लोगन को एक छात्रा के जन्मदिवस पर सहपाठियों ने पौधरोपण से जोड़कर इस पल को और भी यादगार बनाया। छात्रा कंचन यादव ने कहा, यह

मेरा सबसे यादगार जन्मदिन है क्योंकि इसे प्रकृति की सेवा से जोड़ा गया है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक गुप्ता ने छात्रों को पर्यावरण की रक्षा और संवर्धन का संकल्प दिलाया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं और हर छात्र को साल में एक पौधा अवश्य जरूर लगाना चाहिए। प्राध्यापक सुशील कुमार, डॉ. अबु सालेह, डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, यशि सिंह और समस्त छात्र-छात्राओं ने मिलकर उत्साहपूर्वक पौधे लगाए। इस आयोजन को खुशियों और हरियाली का अनोखा मिलन बताया गया। आयोजन समिति के सदस्य आंचल विश्वकर्मा, यश जायसवाल, अमन कुमार, अपेक्षा सिंह, रिन्शू सिंह, सहर फातिमा, तुबा, शिवांगी, नवीन, अंजली सहित समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सुजानगंज पुलिस ने चोरी करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज पुलिस टीम द्वारा चोरी करने वाले दो आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। कब्जे से चोरी किये गये एक बण्डल बिजली का तार बरामद। जानकारी के अनुसार ब्रह्मदेव पुत्र हरिगोविंद तिवारी निवासी ग्राम- रतनपुर (नगौली) थाना

सुजानगंज जनपद जौनपुर ने थाना स्थानीय पर सूचना दिया कि दिनांक 06.07.2025 को मेरे खेत में लगा बिजली का महंगा तार लगभग 400 मीटर को कुँवर बहादुर गौतम पुत्र झल्लर गौतम निवासी ग्राम अरुवा थाना सुजानगंज जिला जौनपुर व साहिल उर्फ रुपेश पुत्र जीतलाल निवासी ग्राम नगौली थाना सुजानगंज जिला जौनपुर द्वारा चोरी कर लिया गया है। जिसकी सटीक जानकारी मुझे जब मुझे प्राप्त हुई तब थाना पर सुचना दिया। जिसके सम्बन्ध में थाना सुजानगंज पर मु0अ0सं0-244/2025 धारा -303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया।

अजीत राय हत्याकाण्ड के छः आरोपियों को आजीवन कारावास

छात्र संघ के चुनाव के दौरान विवाद के बाद गोली मारकर की गई थी हत्या

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। 21 वर्ष पूर्व छात्र संघ चुनाव के रंजिश को लेकर अजीत राय हत्याकांड के मुकदमे में सुनवाई के बाद अदालत में छह आरोपियों को आजीवन कारावास तथा प्रत्येक को 45000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की आधी राशि मृतक अजीत राय के परिजनों को दी जाएगी।यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर एक अजय कुमार शाही ने मंगलवार को सुनाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार निजामाबाद थाना क्षेत्र के टुंडवल गांव का निवासी अजीत राय शिब्ली नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज का बी एस सी थर्ड ईयर का छात्र था। 2004 के छात्रसंघ के होने वाले चुनाव में महामंत्री पद का भावी प्रत्याशी था। इस चुनावी रंजिश को लेकर 9 सितंबर 2004 के दिन ग्यारह बजे शिब्ली इंटर कॉलेज के गेट पर मोहम्मद दानिश पुत्र मुमताज अहमद निवासी नई बस्ती,शाह समर यासीन पुत्र नसीम निवासी पहाड़पुर मोहम्मद शारिक तथा मोहम्मद सादिक पुत्रगण मोहम्मद साबिर,इरफान पुत्र लल्लन निवासी निराला नगर, सादिक खान पुत्र वकील गफ्फार निवासी ग्राम टोला तथा जकारिया

मास्टर का लड़का रिंकू जकारिया निवासी बदरका लाठी डंडा से अजीत को करने लगे। रिंकू जकरिया के ललकारने पर मोहम्मद दानिश ने कट्टे से अजीत पर फायर कर दिया। उसके बाद सभी एक कार से भाग निकले।अस्पताल ले जाते ले जाते अजीत राय की मृत्यु हो गई। घटना के दिन अजीत राय को राशन पहुंचाने आए उसके चाचा देवेंद्र राय ने शहर कोतवाली में रिपोर्ट लिखाई।इस रिपोर्ट में उन्होंने विद्यालय के प्रिंसिपल मोहम्मद इफ्तखार खान तथा फिजिक्स डिपार्टमेंट के हेड मोहम्मद जकरिया को भी इस घटना के साजिश का आरोपी बताया। दिनदहाड़े हुई इस घटना से पूरे इलाके में अफरा तफरी फैल गई। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद पुलिस ने आठ आरोपियों के विरुद्ध चार्ज शीट न्यायालय में प्रेषित किया। अभियोजन पक्ष की तरफ से सहायक शासकीय अधिवक्ता गोपाल पांडेय तथा सीबीसीआईडी के अधिवक्ता ने कुल 16 गवाहों को न्यायालय में परीक्षित कराया। दोनों पक्षों के दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने आरोपी मोहम्मद दानिश पुत्र मुमताज, मोहम्मद दानिश पुत्र शाह समीम, शाह समर नसीम, मोहम्मद सारिक, सादिक खान उर्फ रशीद तथा रिंकू जकरिया को आजीवन कारावास तथा प्रत्येक पर 45000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई।

विवाहिता का पानी भरते समय पैर फिसलने से कुएं में गिरी, हुई मौत

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली गांव में सोमवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। गांव की 38 वर्षीय ऊषा देवी पत्नी बुद्धि नारायण शर्मा की मौत कुएं में डूबने से हो गई। ग्रामीणों के अनुसार ऊषा देवी रोज की तरह दोपहर में खेत में बकरियां चरा रही थीं। इसी दौरान बकरी को पानी पिलाने के लिए पास के कुएं से पानी भरने गईं। पानी भरते समय उनका पैर अचानक फिसल गया और वे

कुएं में गिर गईं। घटना की खबर मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिजन व ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही विंढमगंज थाना प्रभारी शेषनाथ पाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकालकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया गया।

मृतका की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतका के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने और सुरक्षा के लिए खुले कुओं पर पक्की मुंडेर बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

विकास के नाम पर आंसू बहा रहा है नगर पंचायत केराकत

जगह-जगह गढ्ढों में तब्दील नगर की सड़कें खोल रही है विकास की पोल

मोहम्मद असलम खान

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत नगर पंचायत के मनमाने तुगलकी फरमान के विरुद्ध व्यापारी संगठनों और आम नागरिकों के विरोध का स्वर तेज होने लगा है। बताते चलें कि नगर क्षेत्र के आम नागरिकों की बिना सहमती और सन्तुष्टी के ही एक सोची समझी साजिश के तहत नगर वासियों पर नगर पंचायत द्वारा पेयजल, हाऊस और नाली के नाम पर मनमाने ढंग से कर थोपनें का कार्य कर जनता के प्रत्यक्ष शोषण का कार्य किया गया है।

एक साल बेमिसाल का झुठा और खोखला नारा देकर अपने ही हाथों अपनी पीठ थपथपा नें का कार्य किया गया है। जबकि इससे विपरीत नगर में विकास से सम्बन्धित ऐसा कुछ भी कार्य नहीं हुआ है जिससे यह कहा जा सके किं नगर का विकास हुआ है। नगर के मुख्य मार्गों की सड़कें गढ्ढों में तब्दील हो चुकी है जगह-जगह केराकत पुराने चौराहे से लगाये नये चौराहे की सड़क जो तहसील मुख्यालय समेत नगर पंचायत कार्यालय से होकर गुजरता है। तेज बारिश में नये चौराहे से लेकर केराकत कोतवाली मुख्य गेट तक जरासी तेज बारिश होते ही घुटनों तक पानी लहरनें लगता है। नगर पंचायत अध्यक्ष आवास के सामने से होते पूर्व विधायक अशोक कुमार सोनकर के आवास

एक साल बेमिसाल का झूठा नारा जन चर्चा में

व रामेश्वरघाट की तरफ जाने वाली गली सड़क नरहन स्थित शराब ठीके तक बदहाल स्थिति में है जिस पर वाहन क्या पैदल भी चलना दुश्वार राह है। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष के आवास के मध्य लगभग 5-7 मीटर के दायरे में सड़क गढ्ढों में बदल चुकी है। यानि कुल मिलाकर विकास के नाम पर शुन्य, ढाई साल बेमिशाल इसी लिए हाउस टैक्स, नाली टैक्स और जलकर टैक्स लगाकर लोगों की फर्जी बिल भेज कर शोषण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसे नगर के व्यापारी संगठन और जनता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। जिसे वापस या रद्द किऐ जाने तक तुगलकी नगर पंचायत के फरमान के खिलाफ विरोध जारी रहेगा।

अनाथ बच्चों का सहारा बनी खाकी : पिता की हत्या, मां जेल में, पुलिस ने पहुँचाई मदद

चांदा,सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। पिता की हत्या और मां के जेल जाने से तीन मासूम बच्चे अनाथ हो गए। बूढ़ी दादी और गरीब चाचा किसी तरह उनका सहारा बने हुए हैं। ऐसे कठिन वक्त में खाकी ने इंसानियत की मिसाल पेश की है। सोमवार को क्षेत्राधिकारी लंभुआ अब्दुस सलाम खान, चांदा थानाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह और क्राइम इंस्पेक्टर तनवीर खां किंदीपुर स्थित मृतक महेश के घर पहुँचे। पुलिस टीम की गाड़ियां आते ही परिवार सहम गया, लेकिन अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि घबराने की जरूरत नहीं, वे मदद के लिए आए हैं। इसके बाद सरकारी गाड़ी से गेहूं, चावल, आटा, आलू सहित जरूरी राशन और गृहस्थी का सामान उतारकर बच्चों को सौंपा गया। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को दुलारते हुए कहा कि प्रशासन हर संभव मदद करेगा। सीओ अब्दुस सलाम ने कहा हम भी परिवार से हैं। और इंसानियत यही कहती है कि एक-दूसरे की मदद करें। इस मौके पर एसआई चुन्नू लाल, हेड कांस्टेबल मोहन यादव,कांस्टेबल अनुराग पाल, कांस्टेबल विकास व चालक सोनू मौजूद रहे। वहीं ग्राम प्रधान शेर बहादुर यादव, पंकज सिंह, केदारनाथ सिंह, संतोष कुमार अग्रहरी और उमाशंकर यादव समेत लोग मौजूद रहे।

धड़ल्ले से हो रही हरे पेड़ों की कटाई

चंदवक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र और प्रदेश सरकार जहां पर्यावरण बचाने के लिए अलग अलग योजनाएं चला रही हैं। वहीं चंदवक थाना क्षेत्र में हकीकत बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही है। कोइलारी, बजरंगनगर, हरिहरपुर, बगेरवा, पतरहिं और कोपकला समेत कई गांवों में धड़ल्ले से हरे-भरे पेड़ों की कटाई की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि लकड़ी माफिया खुलेआम पेड़ काटकर ट्रैक्टरों पर लकड़ी लादकर पुलिस चौकियों के सामने से ऐसे निकलते हैं मानो सबकुछ मिलीभगत से हो रहा हो। मंगलवार सुबह भी चंदवक चौराहे पर पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मियों के सामने लकड़ी से लदा ओवरलोड ट्रैक्टर बेखौफ निकल गया और पुलिस मूकदर्शक बनी रही।

गलत साइड से आई कार से पल्सर टकराई, दो युवक गंभीर, बाइक जलकर राख

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-लखनऊ राजमार्ग पर हौज तिराहे के पास सोमवार देर रात गलत साइड से आ रही कार और पल्सर बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पल्सर धू-धू कर जलकर राख हो गई।जानकारी के अनुसार वाराणसी निवासी अमन सोनकर (24) व शुभम सोनकर (20) पुत्र बित्तन सोनकर, नाटी इमली थाना जैतपुर, अपनी पल्सर से सुल्तानपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हौज तिराहे के पास सामने से गलत दिशा से आ रही कार से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में पल्सर बाइक में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जबकि कार का अगला पहिया टेढ़ा हो गया। संयोगवश मौके पर मौजूद जफराबाद पुलिस टीम ने तुरंत दोनों घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा, जहां से उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि कार मालिक भारत पुत्र साधुराम निवासी मुस्तफाबाद है। पुलिस के अनुसार कार गलत साइड से चल रही थी। दोनों पक्षों की तहरीर मिलने के बाद मामले में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

अधिवक्ता समिति शाहगंज चुनाव का शंखनाद, 20 सितम्बर को मतदान

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अधिवक्ता समिति शाहगंज का द्विवर्षीय चुनाव का शंखनाद चुनाव समिति ने मंगलवार को कर दिया है। 20.9.2025 को समय 9:00 बजे से 3:00 बजे तक चुनाव संपन्न होने की घोषणा की गई है। 3:00 बजे के बाद मतगणना कार्य होगा। चुनाव समिति शाहगंज की चुनाव के घोषणा के बाद तहसील परिसर पूरी तरह से प्रत्याशी, अधिवक्ता मतों को अपने पाले में करने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। चुनाव समिति द्वारा मंगलवार को विभिन्न पदों हेतु नामांकन प्रपत्र का विक्रय किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद हेतु सुभाष चंद्र यादव एडवोकेट, लालजी यादव एडवोकेट, लालचंद यादव एडवोकेट, पुष्पकान्त यादव एडवोकेट, अमरनाथ सिंह एडवोकेट ने नामांकन प्रपत्र लिया। उपाध्यक्ष पद हेतु धर्मेंद्र कुमार यादव एडवोकेट, नवल किशोर अग्रवाल अग्रवाल एडवोकेट, सूर्यमणी तिवारी एडवोकेट ने नामांकन प्रपत्र खरीदा। लंबे समय से अधिवक्ता समिति शाहगंज का चुनाव चर्चा का विषय रहा महामंत्री पद हेतु भी बढ़-चढ़कर कई दावेदारों ने नामांकन प्रपत्र खरीदा जिसमें राजीव कुमार सिंह डब्बू एडवोकेट, राम जी विश्वकर्मा एडवोकेट, रामचंन्दर विन्द एडवोकेट, जयप्रकाश यादव एडवोकेट, लक्ष्मी शंकर यादव एडवोकेट ने अपना अपना नामांकन प्रपत्र खरीदा।

अधिवक्ता समिति शाहगंज के सभी उम्मीदवार प्रत्याशियों का अपना-अपना घोषणा पत्र है कोई विकास का दावा तो कोई धन संग्रह का सही प्रयोग का विश्वास एवं तहसील परिसर में जल एवं जनरेटर का व्यवस्था का भरोसा, खैर देखने वाली बात होगी कि इस द्विवर्षीय अधिवक्ता समिति चुनाव का किस्मत का ताज किसके सर सजता है। ऐसे में चरण वंदन का दौर तहसील परिसर में बखूबी देखा जा रहा है।

टेक्नो पोवा स्लिम 5जी केवल 19,999 रुपये में

पटना(उत्तरशक्ति)। टेक्नो मोबाईल इंडिया के नए स्मार्टफोन टेक्नो पोवा स्लिम 5जी की सेल शुरू हो गई है। यह दुनिया का सबसे अधिक स्लिम 3डी कर्व्ड स्मार्टफोन है। यह उन यूजर्स के लिए बनाया गया है, जो अल्ट्रा स्लिम स्मार्टफोन में स्टाईल, स्पीड और स्मार्ट टेक्नोलॉजी पाना चाहते हैं। टेक्नो की 3बी फिलॉसफी पर आधारित यह डिवाईस भारत की नई डिजिटल पीढ़ी के लिए बनाई गई है और उन्हें लगातार कनेक्टिविटी और समावेशी एवं व्यवहारिक टेक्नोलॉजी प्रदान करती है। यह कई डिजाईन में उपलब्ध है, जिसकी कमी भारत के अधिकांश स्मार्टफोन में होती है। इस डिवाईस की सेल 8 सितंबर से पूरे भारत के रिटेल स्टोर्स पर शुरू हो गई है। यह 16जीबी रैम (8जीबी प्लस 8जीबी) और 128 जीबी स्टोरेज विकल्पों में उपलब्ध है। यह गेमिंग, मनोरंजन और प्रोडक्टिविटी के लिए लैग-फ्री अनुभव प्रदान करता है। भारत में पोवा स्लिम 5जी तीन सुंदर शेड्स - स्काई ब्लू, स्लिम व्हाईट और कूल ब्लैक में केवल 19,999 रुपये में उपलब्ध है।

एचडीएफसी बैंक ने फेस्टिव ट्रीट्स 2025 किया लॉन्च

पटना। भारत के अग्रणी निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज अपने वार्षिक शॉपिंग बोनान्जा 'फेस्टिव ट्रीट्स 2025' की शुरूआत की। यह अभियान देशभर के ग्राहकों के लिए क्रेडिट / डेबिट काड्र्स, लोन, पेजैप और ईजीईएमआई पर 10,000 से अधिक ऑफर्स लेकर आया है, जिससे त्योहारों के दौरान खरीदारी और भी किफायती और फायदेमंद हो गई है। रुपये 50,000 तक की बचत झ्र काड्र्स और ईजीईएमआई पर 4,000 प्लस शहरों / कस्बों में ऑफर्स एलजी पर रुपये 50,000 कैशबैक, गूगल पिक्सल पर रुपये 10,000 तक कैशबैक ऑफर्स लागू झ्र गणेश चतुर्थी से दिवाली तक बैंक ने देशभर में अपने 9,499 शाखाओं, 21,251 एटीएम और 6 लाख से अधिक मर्चेंट टचपॉइंट्स के नेटवर्क के जरिए इन ऑफर्स को उपलब्ध कराया है। इस त्योहारी सीजन में एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य ग्राहकों को स्मार्ट खर्च और अधिक बचत का मौका देना है।

ट्रक की चपेट में आने से पिता-पुत्री की मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। नैनी कोतवाली क्षेत्र के नए यमुना ब्रिज के पास लेप्रोसी चौराहे पर ट्रक से कुचलकर पिता-पुत्री की मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात सामान्य कराने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। करेली इलाके के करेला बाग लाल कॉलोनी के रहने वाले रत्नेश श्रीवास्तव महर्षि विद्या मंदिर में लिपिक पद पर तैनात थे। इसी विद्यालय में उनकी पुत्री यशी श्रीवास्तव इंटरमीडिए की छात्रा थी। मंगलवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद वह बेटी को बाइक पर बैठाकर घर आ रहे थे। नैनी नए यमुना ब्रिज के पास चौराहे पर बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे दोनों छिटककर सड़क पर गिर गए। अभी वह संभल पाते की ट्रक उनके कुचलते हुए निकल गया। मौके पर ही पिता-पुत्री की मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर भीड़ एकत्र हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चालक हादसे के बाद वाहन लेकर फरार हो गया है। बताया जाता है कि रत्नेश श्रीवास्तव का तबादला महाराष्ट्र के लिए कर दिया गया है।

जेबीजी सातारा हिल हाफ मैराथन का 14वां संस्करण का आयोजन

मुंबई। जेबीजी सातारा हिल हाफ मैराथन (खइऋरलल्लट) पॉवर्ड बाय मालाज , 14वें संस्करण के साथ 14 सितंबर 2025 को आयोजित की जा रही है। यह दौड़ सातारा रनर्स फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित होती है और अपनी चुनौतीपूर्ण राह, खूबसूरत प्राकृतिक नजारों और सामुदायिक भावना के लिए विश्वभर में पहचानी जाती है।

इस वर्ष का थीम है, बैक टू रूट्स झ्र दौड़ो, जुड़ो, खोजो, प्रकृति में लौटो। इसका टी-शर्ट और मेडल डिजाइन वारली कला और आदिवासी प्रतीकों से प्रेरित है, जिसका अनावरण सातारा में कलेक्टर श्री संतोष पाटिल, पुलिस अधीक्षक तुषार दोशी, गौरव जाजोदिया (जय बालाजी ग्रुप), हुसैन माला (मालास फ्रूट प्रोडक्ट्स), सुश्री मीना डेव (इंडिया केयर्स फाउंडेशन) और निशांत व श्रीमती श्रद्धा महेश्वरी (स्पोर्टिज व एंड्यूरा 101) की मौजूदगी में किया गया। लॉन्च कार्यक्रम के दौरान 8 स्कूल प्राचार्यों को सम्मानित किया गया। इंडिया केयर्स फाउंडेशन के साथ मिलकर शुरू की गई इस पहल के तहत सातारा और आसपास के 8 स्कूलों को खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे सीधे तौर पर 1,000 से अधिक बच्चों को लाभ होगा।

मुख्य वक्तव्यों में कहा गया झ्र डॉ. संदीप काटे (संस्थापक, रफ्र) : 2012 में हमने केवल सातारा को स्वस्थ बनाने के इरादे से शुरूआत की थी। आज SHHM एक आंदोलन बन गया है। इस साल का थीम यही बताता है कि दौड़ असली आनंद देती है जब आप जड़ों से जुड़े रहते हैं। बच्चों को खेलने का मौका देना उतना ही जरूरी है जितना पढ़ाई का। कलेक्टर संतोष पाटिल : सातारा कभी मराठा साम्राज्य की राजधानी रहा, और आज यह मैराथन रनिंग की राजधानी के रूप में जाना जाता है। एसपी तुषार दोशी : जेबीजी रल्लट अब फिटनेस आंदोलन है। मैं राज्यभर के कई पुलिस अधिकारियों के साथ 21 किलोमीटर दौड़ूंगा। रेस डायरेक्टर डॉ. अविनाश शिंदे : यह आयोजन पूरी तरह समुदाय द्वारा बनाया गया है। हमारी नई रजिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म व प्रैक्टिस रन धावकों को केंद्र में रखते हैं।

रेल यात्रियों से जबरन वसूली के आरोप में जीआरपी पुलिस के 13 अधिकारी निलंबित

-लालशेखर सिंह ब्यूरो

मुंबई (उत्तर शक्ति)। पिछले पाँच महीनों में, मुंबई राजकीय रेलवे(ऋफ्ढ) पुलिस के 13 अधिकारियों को यात्रियों से जबरन वसूली करने के आरोप में निलंबित किया गया है। संगठित जबरन वसूली के खिलाफ अभियान शुरू होने के बाद एक वरिष्ठ निरीक्षक और कई कांस्टेबलों को निलंबित कर दिया गया।

यह गिरोह मुख्य रूप से लंबी दूरी के यात्रियों को निशाना बनाता था जो नकदी या कीमती सामान लेकर आते थे। पीड़ितों को बांद्रा टर्मिनस, मुंबई सेंट्रल, दादर, बोरीवली, कुर्ला, कल्याण, ठाणे और पनवेल जैसे स्टेशनों पर सामान जाँच चौकियों पर रोका जाता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यात्रियों को जीआरपी के उन कमरों में ले जाया जाता था जहाँ सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। अंदर, उनसे अपने सामान का स्वामित्व साबित करने के लिए कहा जाता था। कई लोगों को जेल या सामान जब्त करने की धमकी दी जाती थी। कई लोगों ने डर के मारे रिश्वत दे दी। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, निलंबन का आदेश जीआरपी आयुक्त राकेश कलासागर ने दिया था। पिछले महीने, एक पीड़ित को मुंबई सेंट्रल में उसके पास मौजूद 31,000 रुपये में से 30,000 रुपये देने के लिए मजबूर किया गया था। शिकायत दर्ज कराने के बाद, तीन कांस्टेबलों को गिरफ्तार किया गया। बाद में वे भागने में सफल रहे। पुलिस द्वारा जबरन वसूली का मामला पहली बार अप्रैल 2016 में सामने आया था जब टीवी रिपोर्टों में अधिकारियों को यात्रियों से पैसे लेते हुए कैमरे में कैद होते दिखाया गया था। उसके बाद, जीआरपी ने सामान की जाँच के लिए नियम बनाए। नियमों के अनुसार, जाँच निगरानी में की जानी चाहिए और पूरी प्रक्रिया रिकॉर्ड की जानी चाहिए। अधिकारियों ने कर्मचारियों में फेरबदल जैसे सुधार शुरू कर दिए हैं। कार्यकताओं ने कड़े कदम उठाने की माँग की है और अधिकारियों के लिए बॉडी कैमरा, बेहतर सीसीटीवी कवरेज और ऐसी हरकतों में पकड़े गए कर्मचारियों को तुरंत बर्खास्त करने की माँग की है।

ब्रिक्स बैठक में डॉ. जयशंकर की दो टूक- खुली, गैर-भेदभावपूर्ण हो वैश्विक व्यापार प्रणाली

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोमवार शाम को हुई ब्रिक्स देशों की वर्चुअल इमरजेंसी मीटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति वास्तविक चिंता का कारण बन गई है। विभिन्न वैश्विक चुनौतियों के सामने बहुपक्षीय प्रणाली विफल होती दिख रही है। वैश्विक व्यापार प्रणाली खुले, गैर-भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण के सिद्धांतों पर आधारित होनी चाहिए और भारत का मानना है कि इसकी रक्षा की जानी चाहिए।

बिना नाम लिए अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कड़ा संदेश देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, ह्यह्यदुनिया को टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बाधाएं बढ़ाने और लेन-देन को मुश्किल बनाने से कोई मदद नहीं मिलेगी। व्यापार को गैर व्यापारिक गतिविधियों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। व्यापार को हमेशा सुगम बनाना चाहिए। देशों को अपने आर्थिक सिस्टम को मजबूत बनाने और वैश्विक ट्रेड, निवेश और विकास में सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, सामूहिक रूप से विश्व व्यापार और निवेश के लिए एक स्थिर और पूवार्नुमानित वातावरण की तलाश कर रहा है। साथ ही, यह भी जरूरी है कि आर्थिक व्यवहार निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के हित में हों। जब कई व्यवधान हों, तो हमारा उद्देश्य ऐसे झटकों से बचाव करना होना चाहिए। इसका अर्थ है अधिक लचीली, विश्वसनीय, अनावश्यक और छोटी आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाना। इतना ही नहीं, यह भी जरूरी है कि हम विनिर्माण और उत्पादन का लोकतंत्रीकरण करें और विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उनके विकास को प्रोत्साहित करें।

इस संबंध में प्रगति क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता में योगदान देगी और अनिश्चितता के समय चिंताओं को कम करेगी। डॉ. जयशंकर ने ग्लोबल साउथ के प्रति चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आज विश्व चल रहे संघर्षों का तत्काल समाधान चाहता है। वैश्विक दक्षिण ने अपनी खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक सुरक्षा में गिरावट का अनुभव किया है। जहां नौवहन (शिपिंग) को निशाना बनाया जाता है, वहां न केवल व्यापार बल्कि आजीविका भी प्रभावित होती है।

दुवासर्ा महामंडलेश्वर मौनी बाबा के उत्तराधिकारी महंत हरिप्रसाद दास का निधन

आजमगढ़। दुवासर्ा महामंडलेश्वर सिद्ध संत मौनी बाबा के उत्तराधिकारी महंत हरिप्रसाद दास का आज 82 वर्ष की उम्र में कलवरिया स्थित आवास पर निधन हो गया। वह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। यही कारण था कि उन्होंने 2 साल पहले ही अपने पौत्र बाल संत शिवम दास महाराज को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। उनके निधन की खबर मिलते ही आजमगढ़ तथा आसपास के जिलों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार कल दुवासर्ा में किया जाएगा। महंत हरिप्रसाद दास महंत बनने के पहले संस्कृत के प्रवक्ता थे। मौनी बाबा ने अपनी मृत्यु से पहले उनको अपना उत्तराधिकारी बना दिया था। मौनी बाबा के पहले हरिप्रसाद दास के दादा भुवाल दास महंत थे। हरिप्रसाद दास के साले वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने उपरोक्त जानकारी दी।

आज से शुरू होगी सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठ तक की अर्धवार्षिक परीक्षा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा एक से आठवीं के विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा आज 10 सितंबर से शुरू होकर 18 सितंबर तक संचालित की जायेगी। एससीइआरटी की ओर से प्राप्त निर्देश के अनुसार अर्धवार्षिक परीक्षा संचालित करने और उसकी मॉनिटरिंग के लिए प्रखंड स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। यह नियंत्रण कक्षे 18 सितंबर तक काम करेगा। नियंत्रण कक्ष से परीक्षा से संबंधित समस्या का समाधान किया जायेगा।अर्धवार्षिक परीक्षा के संचालन से संबंधित निर्देश सभी स्कूलों को दे दिया गया है। कक्षा एक और दो के बच्चों का अर्धवार्षिक मूल्यांकन मौखिक रूप में किया जायेगा ,जबकि कक्षा तीन से आठवीं के बच्चों को प्रश्न पत्र पत्र सह उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करायी जायेगी। इसके अलावा कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के लिए अर्धवार्षिक मूल्यांकन में सह शैक्षणिक गतिविधियां भी आयोजित होगी। विभिन्न गतिविधियों के लिए अंक निर्धारित किया गया है।

कुल 100 अंकों पर मूल्यांकन होगी। शैक्षणिक गतिविधियां मूल परीक्षा के दौरान बच्चों के विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित होगी। शैक्षणिक गतिविधियां कुल 100 अंकों की होगी। इसमें विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति पर पांच अंक मिलेंगे। इसी तरह सहयोग प्रवृति के तहत जैसे सहपाठियों के साथ सदभाव, अच्छा व्यवहार, मददगार, शिक्षकों के प्रति अच्छा व्यवहार पर चार अंक, गणित खेल संबंधी व कविता पाठ पर आठ अंक, वर्ड प्रतियोगिता व क्विज में 10 अंक, भाषण, स्वच्छता, भूकंप, अग्निकांड, सड़क सुरक्षा, वाद-विवाद प्रतियोगिता पर 15 अंक, वहीं स्पोर्ट्स में दौड़, ऊंची कूद, कबड्डी, वॉली-बॉल आदि पर 10 अंक, गीत गायन पर 10 अंक, चित्र बनाने पर आठ अंक, नेतृत्व क्षमता जैसे मॉनिटर, बाल संसद स सदस्य आदि के रूप की भूमिका पर 10 अंक, सृजनात्मकता थामोर्काल, मिट्टी, कागज से विभिन्न मॉडल का निर्माण और कबाड़ से जुगाड़ आदि प पर 10 अंक दिये जायेंगे।

परीक्षा के दौरान बच्चों के बीच दो फुट की दूरी होगी मेंटेन होगी। परीक्षा संचालन के लिए सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया अ गया है कि निर्धारित तिथि एवं पाली में परीक्षा के क्रम में दो परीक्षार्थियों के बीच कम से कम दो फुट की दूरी मेंटेन की जायेगी। इसके साथ ही बच्चों को परीक्षा के दौरान पेंसिल, रबर, कटर, कलम, जियोमेट्री बॉक्स, कार्ड बोर्ड ही लाने की अनुमति होगी ।वहीं वीक्षकों से कहा गया है कि बच्चों को प्रश्न पत्र समझने में किसी तरह परेशानी होती है तो वे सहयोग कर सकते हैं। बीइओ राजकुमार उपाध्याय ने बताया कि सभी वीक्षकों को परीक्षा के दौरान पवित्रता बनाये रखने का निर्देश दिया गया है।

बंगाल फाइल्स से डरी बंगाल सरकार: विवेक अग्निहोत्री

मुम्बई उत्तरशक्ति)। सिनेमा हो या साहित्य उसे केवल मनोरंजन तक ही सीमित नही होना चाहिए। उसका निर्माण उसकी रचना ऐसी हो कि लोग चिंतन और मनोमंथन मंथन करके समाज और राष्ट्र हित के प्रति जिम्मेदार हो सकें। इतिहास का पठन-पाठन कुछ सीखने के लिए होता है,अतीत को जीया तो नही जा सकता लेकिन सीखा जरूर जा सकता है। इतिहास के सही और गलत निर्णयों से सीख कर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य की कल्पना करते हुए लोगों को अतीत की गलतियों से बचने की नसीहत प्रदान करता है। ऐसी ही समाज और राष्ट्रहित की सुंदर परिकल्पना को सिनेमा के पर्दे पर साकार किया है फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने। विवेक अग्निहोत्री हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जानेमाने बहुत ही सफल निर्देशक हैं उन्होंने इस बार अपनी बहुत ही चर्चित फिल्म द बंगाल फाइल्स लेकर पब्लिक के बीच आयें है। द बंगाल फाइल्स फिल्म 5 सितंबर को बंगाल को छोड़कर पूरे देश में प्रदर्शित होकर जोरशोर से चल रही है। इस चर्चित फिल्म से राजनीतिक स्वार्थ वश डरी बंगाल सरकार को कड़ी आपत्ति भी है। क्योकि द बंगाल फाइल्स 16 अगस्त 1946 को कलकत्ता में हुए डायरेक्ट एक्शन डे पर केंद्रित है।इस फिल्म को देखने के बाद जुहू पी. व्ही. आर. में पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेश एस. सिंह, भाजपा नेता दीपक नंदलाल सिंह, युवा समाज सेवक गजेंद्र सिंह,सनोज सिंह,विकास सिंह(कलपू),मुन्ना सिंहऔर हम रामजी कर रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट के सहसचिव दिनेशप्रताप सिंह फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और फिल्म के हीरो दर्शन कुमार से भी मिले।

मीडिया से रुबरु होकर उन्होंने बताया कि उनकी टीम के द्वारा अब तक सैकडों लोगों को यह फिल्म टिकट खरीद कर दिखाया जा चुका है और आगे भी लोगों को इसे दिखाने और देखने के लिए प्रोत्साहित करने में लगे हुए हैं।

जुहू पी. व्ही. आर. में जनता की प्रतिक्रिया जानने के लिए फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री , अभिनेता दर्शन कुमार आदि कलाकारों के साथ लोगों से मिले दर्शकों की भारी भीड़ फिल्म की प्रशंसा करते हुए विवेक अग्निहोत्री सहित उनकी पूरी टीम को धन्यवाद दे रही थी।

इस फिल्म को देखकर कश्मीर और बंगाल से संबंध रखने वाली कुछ महिलाएं रोते हुए भी फिल्म में दिखाये गये सही ऐतिहासिक तथ्यों और हालात की तारीफ कर रही थीं। यह फिल्म देश की आजादी और बँटवारे की त्रासदी के साथ-साथ बंगाल की हिन्दू जनता पर मुस्लिम दंगाइयों द्वारा किये गए अत्याचार का सजीव चित्रण करते हुए यह संदेश देती है कि, हिंसा का प्रतिकार अहिंसा से नही हो सकता। फिल्म भ्रष्ट सत्ता और सिस्टम के बीच पिसने वाली आम जनता की दारुण व्यथा ही नही बंगाल की महान संस्कृति, परंपरा और गौरव को भी दशार्ती है। द बंगाल फाइल्स के माध्यम से निर्देशक ने यह संदेश देने की कोशिश की है,कि देश के हर व्यक्ति को जाति-धर्म,भाषा-क्षेत्र की परिधि से बाहर निकल कर राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होना चाहिए।यह फिल्म हर भारतीय को देखना चाहिए। फिल्म के प्रति दर्शकों का भारी प्रतिसाद पाकर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने धन्यवाद देते हुए कहा कि, आप लोगों के द्वारा फिल्म का खरीदा हर एक टिकट बंगाल सरकार के लिए तमाचा होगा जो बंगाल की जनता को ऐतिहासिक सच्चाई दिखाने से डर रही है। जिसने इस फिल्म को बंगाल में बैन कर रखा है।